

## ‘मैं कांग्रेस का राज्यसभा का उम्मीदवार हूँ, कल पर्चा भर रहा हूँ, आप आ जाएं’

करमवीर बौद ने यह फोन भूपेन्द्र हूडा, सुरजेवाला, शैलजा आदि को किया, सभी नेता स्तब्ध रह गये

—रेणु मिश्रा—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 6 मार्च। कांग्रेस राज्यसभा टिकट देने के लिए कैसे प्रत्याशी चुनती है, यह उसकी संपूर्ण गाथा है।

जादू से टोपी से खरोश निकालने की तरह कांग्रेस ने आखिरी समय में हरियाणा का अपना एकमात्र राज्यसभा टिकट एक अनजान व्यक्ति को दे दिया, जिसका नाम करमवीर बौद है, जो एक दलित है और कांग्रेस में उन्हें कोई नहीं जानता। उनके पास कोई संगठनात्मक अनुभव नहीं है, न ही उनका युवा कांग्रेस, एनएसयूआई या किसी अन्य पद से कोई संबंध है और वे हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं।

हरियाणा के कांग्रेसी एक-दूसरे को संदेश भेज रहे हैं और पूछ रहे हैं कि वे आखिर कैसे दिखते हैं!!

दिलचस्प बात यह है कि वे हरियाणा सरकार के कर्मचारी थे, जो

■ राहुल गांधी, करमवीर बौद, एक अपरिचित से पूर्व बसपा नेता का चयन कर, बहुत प्रसन्न हैं, क्योंकि उन्हें अपना एक दलित मिल गया, जो उनके दलित एजेंडे पर “फिट” बैठता है।

■ बौद हरियाणा कांग्रेस के हल्कों में एक अपरिचित प्राणी हैं, जो कभी भी युथ कांग्रेस, एनएसयूआई या, अन्य किसी संगठनात्मक पद पर नहीं रहे, और हाल ही में कांग्रेस से जुड़े हैं।

■ वे एक सरकारी कर्मचारी थे, तथा भ्रष्टाचार के आरोप में निलम्बित थे तथा फिर नौकरी से रिटायर होकर बसपा से जुड़े। तदोपरान्त कांग्रेस पार्टी में आए, पूर्व आईएस अधिकारी के. राजू के संरक्षण में।

■ हरदम की तरह राहुल गांधी ने दलित मामले के. राजू को सौंप रखे हैं तथा के. राजू ही दलित मामलों में पार्टी के सभी निर्णय लेते हैं। के. राजू की तगड़ी सिफारिश से करमवीर बौद को कांग्रेस का टिकट मिला, क्या राहुल, जयजगत और के.सी. वेणुगोपाल के बारे में बिहार के अपने अनुभव के बाद कुछ नहीं सीखे कि, एक दलित पूर्व आईएस अफसर के. राजू को दलित मामलों में सर्वसर्वा बना दिया है।

दलित संगठन से जुड़े हुए थे और कभी-कभी सरकार और संगठन के बीच बड़े विवादों में मध्यस्थ का काम करते थे।

उन्हें बाद में भ्रष्टाचार के आरोपों में चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया था।

वे सेवानिवृत्त हुए और बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए, उनके (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## बिहार में एक अनजाने चेहरे को मुख्यमंत्री बना सकती है भाजपा

चर्चा है कि संघ पृष्ठभूमि वाली सीमा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है

—श्रीनंद झा—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 6 मार्च। ऐसी संभावनाएँ हैं कि भाजपा नेतृत्व बिहार में नीतीश कुमार के स्थान पर राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में किसी कम पहचान वाली महिला नेता को नियुक्त कर सकता है, जैसा कि भजनलाल शर्मा के मामले में किया था।

अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, जैसे इजराइल-ईरान युद्ध और एस्टॉन फाइलिंग में भाजपा और केन्द्र सरकार व्यस्तता के बीच, अंततः नीतीश कुमार को दरवाजा दिखा देने का निर्णय एक आश्चर्यचकित करने वाला कदम साबित हुआ है। लेकिन दो पुरे महत्वपूर्ण हैं। पहला, भाजपा शां कट्टेमेंट देने की अपनी क्षमता पर फलती-फूलती आ रही है। दूसरा, बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री होना पार्टी के लिए पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के चुनावों में मददगार साबित होगा। इससे भी ज्यादा

■ इस कदम से भाजपा को कई लाभ होने की संभावना है, एक तो वह बिहार में नई शुरुआत का संकेत देना चाहती है। दूसरे पार्टी को उम्मीद है कि इससे पड़ोसी राज्य प.बंगाल, जहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, में भारी फायदा होगा।

■ नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने के असंभव कार्य में सफल होने के बाद भी भाजपा कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती है। मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा पर उपमुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार के पुत्र से पेशकश की गई है।

■ सुत्रों ने कहा, भाजपा जद (यू) में विभाजन की कोशिश भी नहीं करेगी क्योंकि नीतीश कुमार के प्रति भारी सहानुभूति है लोगों, खासकर महिलाओं में, इसलिए भाजपा कोई दुस्साहस नहीं करेगी और नीतीश के प्रति भारी सद्भावना दिखाएगी।

फायदा उस स्थिति में होगा, अगर कम पहचान वाली महिला नेता का भाजपा नेतृत्व इस काम के लिए किसी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## उमेश सिंह कुशवाहा जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बने

पटना, 06 मार्च। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता उमेश सिंह कुशवाहा को लगातार तीसरी बार पार्टी का बिहार प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। शुरुआत को पटना स्थित जदयू के प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक चुनाव की निर्धारित

■ वे लगातार तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें निर्वाचन अध्यक्ष घोषित किया गया।

प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार ‘मुन्ना’ और परमहंस कुमार ने उन्हें अध्यक्ष पद का प्रमाण-पत्र सौंपा। इससे पहले उमेश सिंह कुशवाहा ने चार सैट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। तय समय-सीमा तक इस पद के लिए उनके अलावा किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया। इसके बाद स्कूटनी प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें निर्वाचन बिहार प्रदेश अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।

## ‘अमेरिका ने दया की, भारत को रुस से कच्चा तेल लेने की अनुमति दी’

अमेरिका के ट्रैजरी सैक्रेटरी ने कहा कि भारत को यह काम चलाऊ छूट सिर्फ 30 दिनों के लिए दी गई है।

— डॉ. सतीश मिश्रा —  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 06 मार्च। दया भाव

दर्शाते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत को “अस्थायी” रूप से रुस से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दे दी है, और इस पर कोई दंडात्मक शुल्क नहीं लगाया जाएगा और भारतीय सरकार ने इस प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार करते हुए रिफाइनरियों को रसोई गैस की कमी से बचने के लिए एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया, क्योंकि मध्य पूर्व युद्ध के कारण एलपीजी की भारी कमी हो सकती थी।

कतर से, जो भारत का प्रमुख एलपीजी आपूर्तिकर्ता है, चिंताजनक रिपोर्ट मिलने के बाद मोदी सरकार ने अमेरिकी राहत का तुरंत उपयोग किया, ताकि घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में आने वाले संकट को टाला जा सके। “द फाइनेंशियल टाइम्स” से एक

■ स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत इस अवधि में रुस से वही तेल खरीद पाएगा जो पहले से समुद्र में विचरण कर रहे टैंकरों में जमा है और इससे रुस को कोई फायदा नहीं होगा। लेकिन इससे ईरान युद्ध से बड़े दबाव से भारत को कुछ राहत मिलेगी। तथापि, भारत को इसके लिए मौजूदा रेट पर ही कीमत अदा करनी होगी।

■ इस अनुमति के साथ ही भारत ने तेल मंगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। दो टैंकर भारत की ओर निकल चुके हैं इनमें से हरेक में 7 लाख बैरल तेल है, चर्चा है कि तीसरा टैंकर भी भारत की ओर बढ़ रहा है।

■ इस समय रुस का 9.5 लाख मिलियन बैरल कच्चा तेल समुद्री टैंकरों में जमा है और भारत के आसपास ही मंडरा रहा है।

■ भारत सरकार ने भारतीय तेल कंपनियों को रसोई गैस का उत्पादन बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं।

साक्षात्कार में, कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल काबी ने कहा कि युद्ध के कारण खाड़ी देशों में ऊर्जा उत्पादन बंद हो सकता है, तेल की कीमत 150 प्रति बैरल तक पहुंच सकती है और “दुनिया

की अर्थव्यवस्थाओं को नीचे ला सकता है”। कतर, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा लिक्विड नैचुरल गैस (एलएनजी) उत्पादक है, इस सप्ताह अपने रास

लाफन संयंत्र पर एक ईरानी ड्रोन हमले के बाद उत्पादन रोकने पर मजबूर हो गया, जो कि इसका सबसे बड़ा एल पी जी संयंत्र है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## अमेरिका द्वारा रूसी तेल खरीद पर छूट की कांग्रेस ने निंदा की

नई दिल्ली, 06 मार्च। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट देने संबंधी बयान की कांग्रेस ने निंदा की है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शुरुआत को पार्टी

■ पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका-इजरायल के दबाव में काम कर रहे हैं और सरकार की विदेश नीति स्वतंत्र नहीं रही। भारत को अमेरिका से अनुमति मिल गई है कि वह 30 दिनों तक रूस से तेल खरीद सके। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका-इजरायल के दबाव में काम कर रहे हैं और सरकार की विदेश नीति स्वतंत्र नहीं रही। भारत को अमेरिका से अनुमति मिल गई है कि वह 30 दिनों तक रूस से तेल खरीद सके। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

—सुकुमार साह—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 6 मार्च। ईरान के

खिलाफ युद्ध में अमेरिका का साथ देने से स्पेन के इनकार ने हाल के वर्षों में पश्चिमी गठबंधन के भीतर सबसे गंभीर मतभेदों में से एक को उजागर कर दिया है। हालांकि स्पेन नार्थ एटलंटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) का सदस्य है, लेकिन प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज की सरकार ने साफ कर दिया है कि मैड्रिड न तो इस सैन्य अभियान में भाग लेगा और न ही स्पेन की जमीन को ईरान पर हमले के लिए इस्तेमाल करने देगा। इस रुख ने स्पेन को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ सीधे टकराव में ला दिया है और इससे ट्रांस-अटलंटिक गठबंधन की एकता पर भी बड़े सवाल उठे हैं।

■ स्पेन द्वारा अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य अड्डों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देना इसी की शुरुआत माना जा रहा है।

■ स्पेन का कहना है कि नाटो का सदस्य होने का मतलब अमेरिका के हरेक सैन्य अभियान में अनिवार्य रूप से भागीदारी करना नहीं है।

■ स्पेन व अन्य देशों में अमेरिका के प्रति बढ़ते असंतोष की एक बड़ी वजह उन देशों की आंतरिक राजनीति भी है। स्पेन में जनभावना दूसरे देशों, खासकर मिडिल ईस्ट, में सैन्य हस्तक्षेप के सख्त खिलाफ है। स्पेन का मत है कि युद्ध लंबा खिंचा तो, मिडिल ईस्ट अस्थिर हो जाएगा और इससे यूरोप पर शरणार्थियों का भार पड़ेगा।

■ स्पेन का यह रुख इराक वॉर की कट्टू स्मृतियों के कारण है। वर्ष 2003 में स्पेन की तत्कालीन सरकार ने इराक में अमेरिकन घुसपैठ का समर्थन किया था, इस पर स्पेन में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था, लोग सड़कों पर उतर आए थे। मैड्रिड में ट्रेन धमाके हुए, जिसमें 200 लोग मारे गए थे। बाद में जब वहां समाजवादी सरकार बनी तो उसने इराक से अपने सैनिक वापस बुला लिए थे।

विवाद की तात्कालिक वजह यह है कि स्पेन ने अमेरिका को अपने संयुक्त सैन्य टिकानों, नेवल स्टेशन रोटा और

मोरोन में अपने जॉइंट मिलिट्री बेस का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ युद्ध से जुड़ी कार्रवाई के लिए करने की अनुमति देने

से इनकार कर दिया। इन टिकानों पर, लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय रक्षा समझौते के तहत, अमेरिकी सेना मौजूद

रहती है और ये भूमध्यसागर तथा मध्य-पूर्व में अमेरिकी अभियानों के लिए महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक केन्द्र रहे हैं।

मैड्रिड ने जोर देकर कहा है कि इन टिकानों का इस्तेमाल ऐसे आक्रामक सैन्य अभियानों के लिए नहीं किया जा सकता, जिनके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून या संयुक्त राष्ट्र के फ्रेमवर्क के तहत कोई साफ मैनडेट न हो। इस तरह रेखा खींचकर सांचेज सरकार ने वॉशिंगटन को स्पेन की जमीन को इस संघर्ष के लिए लॉजिस्टिक पैड के रूप में इस्तेमाल करने से रोक दिया।

यह विवाद जल्दी ही मैड्रिड और वॉशिंगटन के बीच एक डिप्लोमैटिक टकराव में बदल गया। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से स्पेन की आलोचना करते हुए कहा कि उसने गठबंधन को एकजुटता का साथ नहीं दिया और यहां तक कि ट्रंप ने बदले की कार्रवाई का संकेत भी दिया। हालांकि स्पेन अपने फैसले पर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## प्रधानमंत्री ने सिविल सेवा के सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी

नई दिल्ली, 06 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरुआत को सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा,

■ उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता व कड़ी मेहनत ने इस उपलब्धि तक पहुंचाया है।

सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई। उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में उन अभ्यर्थियों का भी हौसला (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## क्या ट्रम्प ईरान युद्ध के तनाव से टूट से रहे हैं?

कोटा का डॉक्टर बना यूपीएससी टॉपर

—जाल खंबाता—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 6 मार्च। राजस्थान के लिए गर्व का पला कोटा के अनिल अग्रिहोत्री, जो पेशे से डॉक्टर हैं, ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेस एग्जामिनेशन (सीएसई) 2025 में टॉप रैंक हासिल की है। यह उपलब्धि उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में हासिल की।

अनुज अग्रिहोत्री ने इस परीक्षा में टॉप किया, जबकि राजेश्वरी सुवे एम

■ डॉ. अनुज अग्रिहोत्री ने तीसरे प्रयास में यह शानदार सफलता प्राप्त की है। उन्होंने मैट्रिकल साइन्स को बतौर विषय चुना था।

और आकाश धुल क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। अनुज ने मेडिकल साइंस को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

अपनी इस अद्वितीय उपलब्धि के बाद एनडीटीवी से बात करते हुए, 26 वर्षीय अनुज ने कहा, “मैं अपनी सफलता का मुख्य कारण भाग्य को मानता हूँ।”

अनुज को टॉप करने की यात्रा आसान नहीं थी। यह उनका तीसरा प्रयास था। पहले प्रयास में उन्हें दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वे वाइट हाउस में अपनी “ऑफिशियल” कुर्सी में सम्मोहित से बैठे नज़र आए, अपनी पूजा में आंख बंद किए अपने प्रभु से मदद मांगते हुए

—अंजन रॉय—

—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 6 मार्च। सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान युद्ध के दबाव में झुकते हुए दिखाई दे रहे हैं।

कोई हैरानी नहीं कि ईरान ने, उनके वेंनेजुएला अनुभव की तुलना में, जिस तरह जबरदस्त जवाबी हमला किया है और ईरान युद्ध में मदद देने को लेकर उनके नाटो सहयोगियों के बीच साफ मतभेद भी सामने आ गए हैं, ऐसी स्थिति में ट्रंप को अपने मौजूदा संकट से निकलने के लिए हर तरह की भौतिक, आध्यात्मिक और यहां तक कि अलौकिक मदद की जरूरत महसूस हो रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का निवास, द वाइट हाउस, आज असाधारण दृश्यों का गवाह बना। एक बड़े व्यक्तिको तरह ट्रंप आत्माओं की दुनिया से तुरंत मदद की प्रार्थना करते हुए एकदम स्तब्ध बैठे थे।

यह एक अजीब सा नाटक जैसा दृश्य था, जब अमेरिका के राष्ट्रपति को धार्मिक नेताओं द्वारा आशीर्वाद दिया जा रहा था, वह भी ओवल ऑफिस जैसे

■ यह सच है कि, जिस “आराम” से वे वेंनेजुएला पर विजय पा सके थे, उसकी तुलना में ईरान का आक्रामक जवाब ने उन्हें हिला दिया है। ट्रंप के आसपास विभिन्न धर्मों के धार्मिक गुरु, उनके सिर पर, कंधे पर हाथ लगाकर हिम्मत बढ़ाते नज़र आये। वे ऐसे हारे हुए व्यक्ति लग रहे थे मानो उन्हें दूसरी दुनिया से मदद की जरूरत महसूस हो रही थी।

■ वैसे भी ट्रंप अब विरोधाभासी दावे कर रहे हैं, जिनका तथ्यों से कोई सरोकार नहीं लगता।

■ एक तरफ तो वे, ईरानी दूतावासों के अधिकारियों से कह रहे हैं, कि वे अपनी जिम्मेवारी छोड़कर बाहर आ जायें, और अन्य देशों की सरकारों से संरक्षण की मांग करें। दूसरी ओर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का ट्रैफिक खुलवाने की कोशिश में, व्यवसायिक जहाजों को अमेरिकी नौ सेना की सुरक्षा में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार करवाने का वादा करते हैं।

स्थान पर। ट्रंप अपनी कुर्सी पर चुपचाप बैठे थे और उनके चारों ओर कई धार्मिक नेता खड़े होकर गंभीर स्वर में शांति, सबके लिए न्याय और इसी तरह की बातें कर रहे थे। इन धार्मिक नेताओं को अमेरिकी

राष्ट्रपति को छूते हुए देखा गया, कुछ उनके हाथ पकड़ रहे थे, तो कुछ उनके कंधों पर हाथ रखे हुए थे। ट्रंप आंखें बंद किए, परेशान चेहरे के साथ अपनी कुर्सी पर असहज तरीके से बैठे दिखाई दे रहे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## विचार बिन्दु

किसी को अपना व्यक्तित्व छोड़कर दूसरे का व्यक्तित्व नहीं अपनाना चाहिए। -चैनिंग

## राजस्थान में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण

राजस्थान, रेगिस्तान की भूमि, जहां बालू के टीले इतिहास की गाथाएं गुनगुनाते हैं और किले-महल सूरज की किरणों में चमकते हैं, आज एक अनोखे वैभव के दौर से गुजर रहा है। यह वैभव आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चकाचौंध और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शहनाहा का मेल है। एक ओर जहां हाई-स्पीड रेलमार्ग, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं और डिजिटल हाइवे राजस्थान को भविष्य की ओर ले जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोक कला, परंपरिक हस्तशिल्प और आध्यात्मिक विरासत नई ऊर्जा के साथ पुनरुत्थान कर रही है। यह नया अध्याय न केवल आर्थिक विकास का प्रतीक है, बल्कि राजस्थान की आत्मा को संरक्षित करते हुए उसे वैश्विक पटल पर चमकाने का माध्यम भी बन रहा है।

कल्पना कीजिए, जयपुर के हवा में लहरते नीचे से गुजरती मेट्रो ट्रेनें, जो राजपूताना की भव्यता को आधुनिक गति प्रदान कर रही है। या फिर उदयपुर के झीलों के किनारे विकसित हो रही स्मार्ट टूरिज्म सुविधाएं, जहां ड्रोन तकनीक से संचालित लाइट शो फुटेज सिंघे के काल की कहानियां जीवंत कर देते हैं। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं जैसे राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्क्रीम और स्मार्ट सिटी मिशन ने राज्य को इंफ्रास्ट्रक्चर का हब बना दिया है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और अजमेर जैसे शहरों में मेट्रो रेल, एयरपोर्ट विस्तार और हाइवे नेटवर्क का जाल बिछ चुका है। उदाहरणस्वरूप, दिल्ली-जयपुर हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, जो 2026 तक चालू होने की कगार पर है, यात्रा के समय को आधा कर देगा। इससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों के उत्पाद वैश्विक बाजार तक पहुंच सकेंगे।

यह इंफ्रास्ट्रक्चर केवल कंक्रीट और स्टील का ढांचा नहीं है; यह सांस्कृतिक पुल है। राजस्थान के गांवों में सोलर पैनल खेतों के बीच अपनी अलग छटा बिखेर रहे हैं। राज्य सरकार को राजस्थान क्राफ्ट प्रमोशन नीति ने हस्तशिल्प को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा है। ई-कॉमर्स साइट्स जैसे अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर बगर प्रिंट, कठपुतली और बंधेज साड़ियां विक्रि रही हैं, जो सीधे कारीगरों के हाथों से ग्राहक तक पहुंचती हैं। जयपुर का ब्लू पॉटरी अब 3डी प्रिंटिंग तकनीक से संयोजित होकर आधुनिक डिजाइन में उपलब्ध है। यह पुनर्जागरण सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है, जहां परंपरा और तकनीक का संगम हो रहा है।

जोधपुर, ब्ल्यू सिटी, जहां थार एक्सप्रेसवे ने रेगिस्तान को पार करने का समय घटाकर दो घंटे कर दिया है, अब सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां के उम्रद भवन पैलेस को होटल ताज ने पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया है, लेकिन साथ ही स्थानीय लोक संगीत को प्रमोट करने के लिए रूज फेस्टिवल आयोजित हो रहे हैं। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, जो 2025 में 10 करोड़ पर्यटकों का आंकड़ा पार कर चुका। इससे उत्पन्न राजस्व सांस्कृतिक संरक्षण में लगाया जा रहा है। उदाहरण के लिए, बीकानेर के जूनागढ़ किले में वरुचुल रियलिटी (वीआर) टूर शुरू हुआ है, जो पर्यटकों को राठौर राजाओं के युग में ले जाता है। यह तकनीक न केवल शिक्षा प्रदान करती है, बल्कि राजस्थानी इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाती है।

उदयपुर, झीलों का शहर, स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकसित हो रहा है। यहां के पुष्कर झील पर प्लॉटिंग सोलर प्लांट न केवल ऊर्जा प्रदान कर रहा है, बल्कि सांस्कृतिक उत्सवों को रोशन कर रहा है। राजस्थान दिवस समारोह में ड्रोन शो के माध्यम से मेवाड़ की वीर गाथाएं दिखाई जाती हैं। यह मेल आधुनिकता और परंपरा का प्रतीक है। इसी तरह, अलवर में भृगुहरि मंदिर के आसपास विकसित हो रही ग्रीन हाइवे परंपरागत लोक नृत्यों को स्टेज दे रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर ने रोजगार सृजन किया है - निर्माण क्षेत्र में 5 लाख नौकरियां पैदा हुईं, जो स्थानीय कलाकारों को सशक्त बना रही हैं। महिलाओं के स्वयं सहायता समूह अब डिजाइन ब्लॉक प्रिंटिंग यूनिट चला रहे हैं, जो एयरपोर्ट पर स्टोर के माध्यम से विक्रित हैं।

लेकिन यह पुनर्जागरण केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं। ग्रामीण राजस्थान में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बिछे सड़क नेटवर्क ने दूरदराज के गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा है। बाइमेर के रेगिस्तानी गांवों में सोलर-पावर्ड कम्युनिटी सेंटर्स लोक कथाओं और कठपुतली शो के लिए केंद्र बन गए हैं। यहां के मांगणिया संगीतकार अब यूट्यूब और स्पॉटिफाई पर अपनी रचनाएं अपलोड कर रहे हैं, जो सरहद्दी संस्कृति को वैश्विक बनाती हैं। राज्य की कलाकृति योजना ने 50 हजार कारीगरों को प्रशिक्षण दिया, जिसमें डिजिटल मार्केटिंग शामिल है। इससे उनकी आय दोगुनी हो गई। यह सांस्कृतिक पुनरुत्थान आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बन रहा है।

आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने सांस्कृतिक पर्यटन को नया आयाम दिया। जयपुर का चौड़ी ढाणी अब इको-रिसॉर्ट के रूप में विकसित हो गया, जहां सोलर एनर्जी से चलने वाले पारंपरिक ढाबे लोक भोजन परोसते हैं। दुनिया भर से पर्यटक आकर घूमर नृत्य और कालबेलिया संगीत का आनंद लेते हैं, जो यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में है। कोटा में चंबल नदी पर बने ब्रिज ने बाराहीरी उत्सव को नया रूप दिया। यह सब राजस्थान को कल्चरल हब ऑफ इंडिया बनाने की दिशा में कदम है।

चुनौतियां भी हैं। तेज विकास में पर्यावरण संरक्षण जरूरी है। थार रेगिस्तान में हाइवे निर्माण से जैव विविधता प्रभावित हो रही है। लेकिन राज्य सरकार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दे रही है। सांस्कृतिक पुनर्जागरण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। आईआईटी जोधपुर और बीआईटीएस पिलानी जैसे संस्थान अब राजस्थानी कला पर शोध कर रहे हैं। स्टार्टअप जैसे राज दीर्घा पारंपरिक ज्वेलरी को मॉडर्न डिजाइन से जोड़ रहे हैं।

राजस्थान में मंदिरों के प्रति भाव एवं रुझान हमारी पुरातन संस्कृति की तरफ एक कदम है। कुछ प्रसिद्ध मंदिरों के अलावा अब छोटे-छोटे प्राकृतिक सुरम्य वातावरण में स्थित शिव मंदिर भी अपनी अलग छटा बिखेर रहे हैं।

यह नया अध्याय राजस्थान की आत्मा को मजबूत कर रहा है। जहां एक ओर बुलेट ट्रेन रेल के टीलों को पार करेगी, वहीं लोककला नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षक बनेगा। राजस्थान अब न केवल इतिहास का भंडार है, बल्कि भविष्य का प्रतीक भी। यह पुनर्जागरण हमें सिखाता है कि परंपरा और प्रगति का संतुलन ही सच्ची प्रगति है। आने वाले दशक में राजस्थान विश्व पटल पर चमकेगा, अपनी नीली छत्रियों, सुनहरी रेत और आधुनिक आकाशचुंबी इमारतों के साथ। यह अध्याय अभी शुरू हुआ है, और इसका अंतिम पृष्ठ हम सब मिलकर लिखेंगे।

-अतिथि संपादक,  
अविनाश जोशी,  
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

### राशिफल शनिवार 7 मार्च, 2026



पंडित अनिल शर्मा

तक, लाभ-अमृत 2:05 से 5:00 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:49, सूर्यास्त 6:27

मेघ	सिंह	धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।	व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष	कन्या	मकर
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।	व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन	तुला	कुंभ
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरिपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा सभव है।	मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बने लेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बने लेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क	वृश्चिक	मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।	घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागवद रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।	चंद्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

# लैंगिक समानता : अधूरी वास्तविकता से पूर्ण समानता की ओर



अलका सक्सेना

समानता का अर्थ केवल अवसर देना नहीं, बल्कि ऐसा समाज बनाना है जहाँ अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा हों।

लैंगिक समानता आधुनिक समाज के सबसे व्यापक रूप से स्वीकार किए गए आदर्शों में से एक है। संविधान, नीतियों और सार्वजनिक विमर्श में इसका स्पष्ट समर्थन दिखाई देता है। फिर भी जब हम जीवन की वास्तविक परिस्थितियों को देखते हैं, तो यह वादा अक्सर अधूरा प्रतीत होता है। अधिकारों की घोषणा और अनुभव की वास्तविकता के बीच का अंतर ही लैंगिक समानता की सबसे बड़ी चुनौती है।

इक्कीसवीं सदी ने महिलाओं की उपलब्धियों के अनेक नए अध्याय लिखे हैं। विज्ञान, शासन, व्यवसाय, शिक्षा और खेल-हर् क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी क्षमता और नेतृत्व से स्थापित धारणाओं को बदला है। फिर भी प्रश्न बना रहता है कि क्या अवसरों की उपलब्धता मात्र से समानता सुनिश्चित हो जाती है, या वह तब साकार होती है जब सामाजिक और पारिवारिक संरचनाएँ भी उसे सहज रूप से स्वीकार करने लगीं।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। स्वतंत्रता के बाद भारत में महिलाओं ने लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा तय की है और धीरे-धीरे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। फिर भी दिखाई देने वाली प्रगति हमेशा वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को प्रतिबिंबित नहीं करती।

आज महिलाएँ कार्यबल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और साथ ही घर-परिवार की जिम्मेदारियाँ भी निभाती हैं। इसके बावजूद उनकी पूर्ण और समान भागीदारी अब भी सीमित है। पितृसत्तात्मक सोच, गहरे सामाजिक संस्कार और अवसरों तक असमान पहुँच वास्तविक सशक्तिकरण के मार्ग में बाधा बनते हैं। भारत में लैंगिक समानता का औपचारिक समर्थन व्यापक है। यह संविधान में निहित है, नीतिगत ढाँचों में समाहित है और संस्थागत प्रतिबद्धताओं द्वारा सुदृढ़ किया गया है। शिक्षा और नेतृत्व में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है तथा भेदभाव और उत्पीड़न के विरुद्ध कानूनी सुरक्षा भी पहले से अधिक मजबूत हुई है। किन्तु सिद्धांत में हुई प्रगति हमेशा व्यवहार में समानता में परिवर्तित नहीं होती। अनेक महिलाओं के लिए समानता अब भी परिस्थितियों, संस्कृति और संदर्भ पर निर्भर रहती है।

व्यावसायिक क्षेत्रों में औपचारिक समानता अक्सर अनौपचारिक पूर्वाग्रहों के साथ सह-अस्तित्व में रहती है। भर्ती नीतियाँ भले ही लैंगिक रूप से तटस्थ हों, पर करियर के महत्वपूर्ण चरणों पर नेतृत्व की राह महिलाओं के लिए संकरी हो जाती है। प्रदर्शन के मानक समान दिखते हैं, फिर भी महिलाओं को अपनी विश्वसनीयता सिद्ध करने के लिए अक्सर अधिक प्रयास करना पड़ता है।

इसका संघर्ष प्रभाव गहरा होता है, निरंतर थकावट, सीमित अवकाश, करियर में रुकावट और दीर्घकालिक तनाव धीरे-धीरे सामान्य बन जाते हैं। यह अपेक्षा कि महिलाएँ पेशेवर जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करें और साथ ही आदर्श घरेलू भूमिकाएँ भी निभाएँ, एक मौन किंतु स्थायी बोझ उत्पन्न करती हैं। समानता का आकलन केवल प्रतिनिधित्व या शिक्षा तक पहुँच से नहीं किया जा सकता। उसे दैनिक जीवन को वास्तविकताओं में भी दिखाई देना चाहिए, परिवार में आपात स्थिति आने पर कार्य-समय कौन बदलता है,

पदोन्नति का अवसर कौन छोड़ देता है, या करियर के लिए स्थानांतरण कौन करता है। यही प्रश्न औपचारिक अधिकारों और वास्तविक समानता के बीच के अंतर को उजागर करते हैं। सांस्कृतिक अपेक्षाएँ भी इस असंतुलन को मजबूत करती हैं। समाज सफल महिलाओं का सम्मान तो करता है, पर उनकी प्राथमिक पहचान अब भी देखभाल करने वाली के रूप में देखी जाती है। एक सफल पुरुष से शायद ही कभी उसके घरेलू दायित्वों के बारे में पूछा जाता है, जबकि एक सफल महिला से अक्सर पूछा जाता है कि वह सब कुछ कैसे संभालती है। कार्यस्थलों पर लचीले कार्य-समय, अभिभावकीय अवकाश और बाल-देखभाल सुविधाओं जैसे सुधारों पर चर्चा बढ़ी है। परंतु केवल नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। सांस्कृतिक स्वीकृति और ईमानदार क्रियान्वयन के बिना लचीलापन प्रतीकात्मक ही रह जाता है। लैंगिक समानता के पक्ष में आर्थिक तर्क भी मजबूत हैं। कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी उत्पादकता, पारिवारिक आय और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास को सुदृढ़ करती है। परंतु समानता केवल आर्थिक रणनीति नहीं, बल्कि न्याय और गरिमा का प्रश्न भी है।

सच्ची प्रगति के लिए साझा जिम्मेदारी आवश्यक है। संस्थानों को पारदर्शी पदोन्नति प्रक्रियाएँ सुनिश्चित करनी होंगी, भेदभाव-विरोधी कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करना होगा और समावेशी कार्य-संस्कृति विकसित करनी होगी। समाज को उन मान्यताओं को चुनौती देनी होगी जो पुरुषत्व के केवल कमाने और स्त्रीत्व को केवल देखभाल से जोड़ती हैं। परिवारों के भीतर ही जिम्मेदारियों का न्यायपूर्ण बँटवारा

आवश्यक है। इस परिवर्तन में पुरुषों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। लैंगिक समानता केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है; यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। वास्तविक परिवर्तन तब होगा जब समानता असाधारण दृढ़ता की मांग करना बंद कर देगी, जब जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा होंगी, करियर में विराम स्थायी हानि का कारण नहीं बनेगा और सम्मान बार-बार सिद्ध नहीं करना पड़ेगा। प्रगति हुई है, पर यात्रा अभी अधूरी है। समानता की दिशा में उल्लेखनीय कदम अवश्य उठे हैं, किंतु वास्तविक परिवर्तन तब होगा जब समानता को सिद्ध करने या उसके लिए निरंतर संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। जब घर और कार्यस्थल दोनों में अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा होंगी, तब लैंगिक समानता केवल नीतियों या घोषणाओं का विषय नहीं रहेगी, बल्कि जीवन की सामान्य और स्वीकृत व्यवस्था बन जाएगी।

उस दिन समाज की प्रगति का मापदंड यह नहीं होगा कि महिलाओं ने कितनी बाधाएँ पार कीं, बल्कि यह होगा कि उन्हें बाधाओं का सामना करना ही क्यों नहीं पड़ा। तब यह प्रश्न भी अप्रासंगिक ही जाएगा कि समाज लैंगिक समानता की दिशा में कितना आगे बढ़ा है, क्योंकि समानता स्वयं जीवन की स्वाभाविक वास्तविकता बन चुकी होगी। समानता तब पूर्ण होगी जब अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ किसी सिद्धांत के कारण नहीं, बल्कि स्वाभाविक रूप से साझा होंगी। -अलका सक्सेना, अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क (सेवानिवृत्त)

## सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के वक्तव्य : आचार संहिता अब अनिवार्य क्यों?



सुनील दत्त गोयल

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संस्थाएँ होती हैं - और इन संस्थाओं की साख उनके पदाधिकारियों के आचरण से तय होती है। न्यायापालिका, प्रशासन और आर्थिक नियामक संस्थाएँ देश की रीढ़ मानी जाती हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है, जहाँ सार्वजनिक पदों पर बैठे माननीय और महामहिम व्यक्ति अपने दायित्वों की मर्यादा लांघते हुए ऐसे वक्तव्य और टिप्पणियाँ कर रहे हैं, जिनका दूरगामी और नकारात्मक प्रभाव समाज, न्याय व्यवस्था और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

न्यायालयों से बाहर जाती टिप्पणियाँ और गिरती न्यायिक गरिमा : यह एक खुला सत्य है कि हमारे उच्च न्यायालयों के कुछ न्यायाधीश - चाहे वे सर्वोच्च न्यायालय में हों या विभिन्न उच्च न्यायालयों में - कभी-कभी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान ऐसी टिप्पणियाँ कर बैठते हैं जो न तो आवश्यक होती हैं और न ही रिपोर्टिंग का हिस्सा बनती हैं। इससे भी अधिक गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब यही न्यायाधीश

अदालत से बाहर सामाजिक कार्यक्रमों, सेमिनारों या सार्वजनिक मंचों पर व्यक्तिगत भावनाएँ व्यक्त करने लगते हैं।

भले ही यह अनजाने में हो या जानबूझकर - पर इसका असर न्याय व्यवस्था पर पड़ता है। निचली अदालतों में कार्यरत न्यायिक अधिकारी, विशेषकर मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी, कई बार यह मान लेते हैं कि ऊपर से यही संदेश है, और उसी मानसिकता के साथ वे अपने निर्णय देते लगते हैं। यह स्थिति न्यायिक स्वतंत्रता और निष्पक्षता दोनों के लिए अत्यंत घातक है। न्याय का मूल सिद्धांत यही है कि फैसला केवल तथ्यों, साक्ष्यों और कानूनों के आधार पर हो - न कि किसी वरिष्ठ की टिप्पणी या भावनात्मक संकेत के प्रभाव में।

स्थानीय नियुक्तियाँ और निष्पक्षता पर प्रश्न

एक और संवेदनशील विषय है न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया। जब कोई वकील वर्षों तक किसी राज्य या जिले में प्रैक्टिस करता है और बाद में उसी क्षेत्र में न्यायाधीश बना दिया जाता है, तो यह मान लेना भोलेपन से कम नहीं कि वह अपने पुराने सामाजिक, पेशेवर या व्यक्तिगत संबंधों से पूरी तरह मुक्त रह पाएगा। न्यायाधीश भी मनुष्य होते हैं। वे भी उसी समाज में रहते हैं, उसी समाज में सेवानिवृत्ति के बाद जीवन व्यतीत करते हैं। यही कारण है कि प्रशासनिक सेवाओं - जैसे केन्द्रीय एवं राज्य सेवाओं में यह सुनिश्चित किया जाता है कि अधिकारी को उसके गृह जिले में पोस्टिंग न मिले। ठीक यही सिद्धांत न्यायापालिका में भी लागू होना चाहिए यदि यह माना जाता है कि एक

कनिष्ठ न्यायिक अधिकारी अपने गृह क्षेत्र में नियुक्त नहीं रह सकता, तो यह मान लेना कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इससे अछूते रहेंगे - एक स्पष्ट दोहरा मानदंड है।

विशेष अदालतें: समाधान या नई समस्या?

उत्पीड़न से जुड़े मामलों - विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं से संबंधित मामलों - में एक ओर जटिल समस्या सामने आती है। कई बार जाँच में यह पाया गया है कि शिकायत झूठी या तथ्यहीन थी। इसके बावजूद न तो निर्दोष व्यक्ति को कोई मुआवजा मिलता है, न उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा की बरखाई होती है। उल्टे, झूठी शिकायत करने वाला व्यक्ति बेखौफ घूमता रहता है। ऐसे मामलों में यदि शिकायत गलत सिद्ध हो जाए, तो शिकायतकर्ता पर कठोर आर्थिक दंड और दंडात्मक कार्रवाई अनिवार्य होनी चाहिए अन्यथा न्यायालयों में मामलों का अंबाद इसी तरह बढ़ता रहेगा।

दूसरी ओर, विशेष अदालतों और विशेष न्यायाधीशों की व्यवस्था भी कई सवाल खड़े करती है। जब यह कहा जाता है कि महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई केवल महिला न्यायिक अधिकारी करेंगी, या अनुसूचित जाति-जनजाति मामलों के लिए अलग अदालतें होंगी, तो इसका अप्रत्यक्ष संदेश यही जाता है कि सामान्य न्यायाधीश निष्पक्ष नहीं हो सकते। यदि न्यायापालिका स्वयं अपने अधिकारियों पर पूर्ण विश्वास नहीं दिखा पा रही, तो आम जनता से भरोसे की उम्मीद कैसे की जा सकती है? यह व्यवस्था सामाजिक विभाजन और मानसिक दूरी को भी बढ़ावा देती है,

जबकि न्याय का सिद्धांत समानता पर आधारित होना चाहिए। आजादी के लगभग 80 वर्ष बाद यह प्रश्न उठाना स्वाभाविक है कि क्या अब हमें इसे जाति, वर्ग और लिंग के आधार पर अलग-अलग न्यायिक ढाँचों की आवश्यकता है?

आर्थिक नीतियाँ और गैर-जिम्मेदार वक्तव्य

विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं से संबंधित मामलों - में एक ओर जटिल समस्या सामने आती है। कई बार जाँच में यह पाया गया है कि शिकायत झूठी या तथ्यहीन थी। इसके बावजूद न तो निर्दोष व्यक्ति को कोई मुआवजा मिलता है, न उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा की बरखाई होती है। उल्टे, झूठी शिकायत करने वाला व्यक्ति बेखौफ घूमता रहता है। ऐसे मामलों में यदि शिकायत गलत सिद्ध हो जाए, तो शिकायतकर्ता पर कठोर आर्थिक दंड और दंडात्मक कार्रवाई अनिवार्य होनी चाहिए अन्यथा न्यायालयों में मामलों का अंबाद इसी तरह बढ़ता रहेगा।

दूसरी ओर, विशेष अदालतों और विशेष न्यायाधीशों की व्यवस्था भी कई सवाल खड़े करती है। जब यह कहा जाता है कि महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई केवल महिला न्यायिक अधिकारी करेंगी, या अनुसूचित जाति-जनजाति मामलों के लिए अलग अदालतें होंगी, तो इसका अप्रत्यक्ष संदेश यही जाता है कि सामान्य न्यायाधीश निष्पक्ष नहीं हो सकते। यदि न्यायापालिका स्वयं अपने अधिकारियों पर पूर्ण विश्वास नहीं दिखा पा रही, तो आम जनता से भरोसे की उम्मीद कैसे की जा सकती है? यह व्यवस्था सामाजिक विभाजन और मानसिक दूरी को भी बढ़ावा देती है,

अनुशासन ही समाधान है शेर बाजार केवल निवेश का

माध्यम नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर है। इसके उतार-चढ़ाव करोड़ों लोगों की बचत, मेहनत और भविष्य से जुड़े हैं। इसी तरह, न्यायपालिका केवल फैसले देने की संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास की अंतिम शरण है। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों में ऐसी घटनाओं में कमी आई है, लेकिन यह प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

अतः मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह सभी सार्वजनिक पदों पर बैठे नेताओं और अधिकारियों को यह सख्त निर्देश दे कि वे ऐसे कोई सार्वजनिक वक्तव्य न दें, जिनसे शेर बाजार, सामाजिक व्यवस्था, न्यायिक प्रणाली या किसी भी प्रकार की हिंसक अथवा अहिंसक घटना या दुर्घटना को बढ़ावा मिले - क्योंकि आम व्यक्ति इन सब से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है।

इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार और न्यायापालिका दोनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्ति बिना सोचे-समझे कोई वक्तव्य न दें। एक स्पष्ट, लिखित और सख्त आचार-संहिता लागू हो - चाहे वह न्यायाधीश हों, न्यायिक संस्थाओं के प्रमुख हों या राजनेता।

न्याय तभी सार्थक है जब वह निष्पक्ष हो और दिखे भी निष्पक्ष। और अर्थव्यवस्था तभी मजबूत होती है, जब उस पर भरोसा अडिग रहे। यही संविधान की आत्मा है और यही लोकतंत्र की सच्ची परीक्षा।

-रोयलियन सुनील दत्त गोयल, महाविदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

## विश्व शांति के लिए पुष्कर में 43 दिवसीय "शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ" कल से

महायज्ञ के लिए खेरकड़ी रोड पर लगभग 80 बीघा क्षेत्र में भव्य यज्ञनगरी विकसित की गई है

पुष्कर, (निसं) विश्वभर में बढ़ते जुड़ते हैं हालात, अंतरराष्ट्रीय तनाव और अस्थिरता के बीच भारत की आध्यात्मिक परंपरा से विश्व शांति के लिए एक बड़ी पहल होने जा रही है। तीर्थराज पुष्कर में 8 मार्च से 19 अप्रैल तक 43 दिवसीय "शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ" आयोजित किया जाएगा, जिसमें 3 करोड़ आहुतियाँ और 24 करोड़ गायत्री मंत्र जाप के माध्यम से वैश्विक संतुलन और शांति की कामना की जाएगी।

महा निर्माणों अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में होने वाले इस महायज्ञ की तैयारियाँ लाभग एक वर्ष पूर्व ही शुरू हो गई थी। स्वामी प्रखर महाराज ने

महायज्ञ में 3 करोड़ आहुतियाँ और 24 करोड़ गायत्री मंत्र जाप के माध्यम से वैश्विक संतुलन और शांति की कामना की जाएगी

वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को पहले से ही भाँपते हुए इस महायज्ञ का संकल्प लिया था। करपात्री महाराज के प्रमुख शिष्य स्वामी प्रखर महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित यह महायज्ञ विप्र फाउंडेशन और श्री प्रखर पुरोचक्र के माध्यम से वैश्विक संतुलन और शांति की कामना की जाएगी।

स्वामी प्रखर महाराज का भी कहना है कि शास्त्रों में महायज्ञों के प्रभाव से सुष्ठु-संतुलन और कल्याण का वर्णन मिलता है तो वर्तमान संघर्षपूर्ण वातावरण में आध्यात्मिक साधना के माध्यम से शांति का मार्ग भी प्रशस्त किया जा सकता है। महायज्ञ आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक तिलक राज शर्मा ने बताया कि महायज्ञ के लिए शास्त्रीय मानकों के अनुरूप 200 हवन कुंडों का निर्माण किया गया है। इन कुंडों में लगभग 3 करोड़ आहुतियाँ अर्पित की

जाएँगी, जबकि महायज्ञ स्थल पर 2000 से अधिक साधक 24 करोड़ गायत्री मंत्रों का जाप करेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी ने बताया कि हवन कुंड केवल अग्नि वेदियाँ नहीं, बल्कि मां भगवती का मुख माने जाते हैं। महायज्ञ में प्रयुक्त हवन सामग्री से लेकर संपूर्ण विधि-विधान पूर्णतः शास्त्र समतल रखा गया है। यज्ञ में 200 चयनित ब्राह्मण दंपति बैठेंगे उन्हें भी विधिवत प्रायश्चित्त व संकल्प कराया गया है। वहीं 2000 से अधिक साधकों का चयन भी साक्षात्कार प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष अशोक जोशी ने बताया कि महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ 8 मार्च को सायं 4

बजे भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। महायज्ञ के लिए खेरकड़ी रोड पर लगभग 80 बीघा क्षेत्र में भव्य यज्ञनगरी विकसित की गई है, जो आगामी 43 दिनों तक साधना, जाप और विश्व कल्याण के संकल्प का केंद्र बनेगी। महायज्ञ संचालक मंडल के सदस्य नवीन शर्मा के अनुसार वर्तमान वैश्विक संघर्ष की घुड़पुर्ण में भारत की आध्यात्मिक परंपरा से प्रेरित यह महायज्ञ विश्व समुदाय को शांति, सद्भाव और संतुलन का संदेश देगा। इस बीच महायज्ञ की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गुरुवार को स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जबकि यज्ञाचार्य, साधक और यज्ञमान पहुंचने लगे हैं।

## सार-समाचार महिला सुरक्षा व कानूनों की दी जानकारी

जालोर, (कासं.) जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग जालोर के संयुक्त तत्वावधान में रामदेव कॉलोनी जालोर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र प्रथम पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की साप्ताहिक गतिविधियों के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा से संबंधित बनाए गए कानूनों के विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक लक्ष्मणसिंह राजपुरोहित ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस साप्ताहिक गतिविधियों के अंतर्गत जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर 4 से 8 मार्च तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यशाला, महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम, आत्मरक्षा संबंधी प्रशिक्षण, महिला सुरक्षा एवं संरक्षण संबंधी कार्यक्रम, महिलाओं की उद्यमिता प्रोत्साहन हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित जा रहे है। उन्होंने बताया कि 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना पुरस्कार एवं माता यशोदा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जेंडर स्पेशलिस्ट द्रौपदी भंडारी ने बालिकाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए बनाए गए कानूनों तथा उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु विभाग के अधीन संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर एवं महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र के विषय में आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने तथा आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 181, 1090 एवं 112 के बारे में जानकारी दी। इस दौरान एएनएम अन्सो, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा मीणा, आशा सहयोगिनी दमयन्ती, सहायिका ललिता सहित महिलाएँ एवं बालिकाएँ उपस्थित रही।

### ललित प्रभ महराज कल जोधपुर में

**जोधपुर**, (कासं।) राष्ट्रसंत ललित प्रभ महाराज और डॉ. मुनि शांति प्रिय सागर महाराज 8 मार्च रविवार को जोधपुर पहुंचेंगे। संबोधि धाम के अध्यक्ष अशोक पारख और महासचिव देवेन्द्र गैलड़ा ने बताया कि संतजन हैदराबाद में ऐतिहासिक चातुर्मास पूर्ण कर 18,00 किलोमीटर की लंबी पद यात्रा में निजामाबाद कामरेड नदिडू परमणी जिंजरु जलगांव बुलढाणा मलकापुर खंडवा इंद्रौर उज्जैन मंदसौर नीमच उदयपुर राजसमंद पाली आदि अनेक शहरों और गांवों में जोने की कला पर विराट प्रवचन माला करके लाखों श्रद्धालु भाई बहनों को सत्संग का लाभ देते हुए सूत्रधारनी जोधपुर पहुंच रहे हैं। दुष्ट के प्रवीण मेहता ने बताया कि संतों के आगमन पर पर उनका भव्य स्वागत और आप्तवानी प्रातः 9 बजे संस्कृति अपार्टमेंट, कायलाना चौराहा से की जाएगी जहां सभी श्रद्धालु प्रवेश और संतों शोभायात्रा के साथ प्रातः 1० बजे कायलाना रोड, संबोधि धाम पहुंचेंगे। जहां संतों का शहर के गणमान्य नगरिकों द्वारा अभिर्नन्दन के साथ सत्संग और प्रवचन समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम के समापन पर सभी को गुरुप्रसादी होगी। संबोधि धाम दुष्ट मंडल ने सभी श्रद्धालु भाई बहनों को कार्याक्रम में भाग लेने के लिए अनुरोध किया है।

### होम्योपैथी परामर्श शिविर कल

**जोधपुर**, (कासं।) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 8 मार्च, रविवार को रातानाडा, हार्दिकोट कॉलोनी स्थित समन्वय इंटरनेशनल स्कूल के सामने निःशुल्क होम्योपैथी परामर्श एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा। सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित शिविर में होम्योपैथिक फौजिशियन डॉ. कृष्णा गहलोट, डॉ. स्वाति गौड़, डॉ. मृदुल राठौर सहित अनुभवी फिजिशियन द्वारा विभिन्न बीमारियों का मुफ्त परामर्श और दवाइयों के साथ बिना साईड इफेक्ट होम्योपैथिक औषधि द्वारा सफल इलाज किया जाएगा। शिविर संयोजक डॉ. कृष्णा गहलोट ने बताया कि विभिन्न बिमारियों में चर्च रोग जिसमें बालों का झड़ना, दाद, खुजली, सफेद दाग, कील मुहासे, फुंसिया, सोरायसिस, मस्से होना आदि, नाक व र्वास रोग जिसमें अस्थमा, बार बार जुकाम, एडिनोइड, ऐलर्जी, राइनोइटिस आदि, घंट रोग जिसमें पेट में दर्द, अपच, गैस व जलन होना कब्ज होना, दस्त लगना, पाइल्स, फिशर आदि, हड्डी रोग जिसमें जोड़ों का दर्द, गटिया, पुराने फ्रैक्चर आदि का दर्द, स्त्री रोग जिसमें कब्ज दर्द, सफेद पानी, महवारी में तकलीफ, थकान, कमजोरी आदि, बच्चे के रोग जिसमें चिड्चिड्याण, भूख न लगना, दांत देरी और दिक्कत से आना, पेट में कीड़े, पढाई में अरुचि, बीक मेमोरी, बिस्तर गोला करना आदि सहित किडनी रोग, पेशाब में जलन इन्फेक्शन, पथरी, डाइबिटिज, ब्लड प्रेशर व मोटापा क इलाज किया जाएगा।

### शीतला माता मेले के लिए कार्य निर्धारण

जालोर, (कासं।)जिला मुख्यालय पर 1० मार्च को आयोजित होने वाले शीतला सप्तमी मेले के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला कलेक्टर ने सम्बन्धित विभागों को जिम्मेदारियत सौंपते हुए आवश्यक निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि मेले के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा शांति एवं कानून व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था व वाहनों की पार्किंग आदि व्यवस्थाओं को अंजाम दिया जायेगा तथा उपखण्ड मिजस्ट्रेट जालोर मौका मजिस्ट्रेट होंगे। वही सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा गिटको होटल से शीतला माता मन्दिर तक सड़क का मरम्मत कार्य तथा मेले में बैरिकेटिंग आदि की व्यवस्था की जायेगी जबकि मेले में पेयजल आपूर्ति व टैंकर व्यवस्था के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को, मेले में विद्युत लाइन व तार आदि की व्यवस्था के लिए विद्युत विभाग को, प्राथमिक चिकित्सा सुविधा, खाद्य सामग्री आदि का निरीक्षण, पेयजल की शुद्धिकरण व्यवस्था चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जायेगी। इसी प्रकार यात्रियों के लिए वाहनों की व्यवस्था के लिए परिवहन एवं रोडवेज विभाग को, लोक कलाकारों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए माय भारत केन्द्र तथा मेले के प्रचार-प्रसार के लिए सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग को निर्देशित किया गया है।

### श्याम निशान यात्रा का स्वागत

पाली, (नि.सं.)हर साल की तरह इस बार भी श्याम निशान यात्रा शुक्रवार को गांधी मूर्ति स्थित गीता सत्संग भवन से सुबह 9 बजे घूम धड़के के साथ सैकड़ों पीले निशान ध्वज के साथ रवाना हुई। बैड बाजा के साथ श्याम भगत नाचते श्याम प्रभु के जयकरते लगाते महिला पीली साड़ी पहने हाथों में निशान लेकर डीजे की धुन पर श्याम के मधुर गीतों पर झूमते हुए चल रही थीं। सबसे पीछे भगवान खाटू श्याम जी की फूलों से सजी सवारी को भक्त खींच रहे था। इस यात्रा में अग्रवाल समाज के साथ सभी समाज के लोग सम्मिलित हुए। निशान यात्रा का जहां से भी गुजरी शहर वासियों ने पुष्प वर्षा का स्वागत किया। गांधी मूर्ति से सूरजपोल चौराहा, सोमनाथ मंदिर, घी का झंडा, सराफा बाजार फतेहपुरिया बाजार, पानी दरवाजा होकर अठारठान भवन पहुंच समाप्त हुई। जहां पर सभी का सामूहिक प्रसादी का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा को सफल बनाने में नीलम बंसल, कमल किशोर गोयल, गिरेश अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अग्रवाल युवा मंडल के जितेंद्र अग्रवाल, के साथ महिला मंडल, माहेश्वरी, ब्राह्मण आदि समाज के महिला पुष्प साथ रहे।

### राष्ट्र सेविका समिति ने फागोत्सव मनाया

जालोर, (कासं।)जालोर नगर में राष्ट्र सेविका समिति की बहनों की ओर से फागोत्सव बडे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कुल 82 बहनों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर बहनों ने आपसी स्नेह, सौहार्द एवं सांगठन भावना के साथ गुलाल खेलकर फागोत्सव की खुशियां मनाईं। पूरे कार्य म के दौरान उत्सवमय वातावरण बना रहा। बहनों ने एक-दूसरे को फागोत्सव की शुभकामनाएं दीं और समाज में एकता एवं संस्कारों के प्रसार का संदेश दिया। विभाग कार्यवाहिका बीना शर्मा ने बताया राष्ट्र सेविका समिति के कार्य को उत्साह और उमंग के साथ आगे बढ़ाये समिति के 9० वर्ष पूर्ण होने पर शाखा सुदृढिकरण को बल देंगे। कार्यक्रम शांतिपूर्वक एवं सफलतापूर्वक समाप्त हुआ।

### सरेसी माता मंदिर माला भरा

रेवदर, (नि.सं.)। सरेसी माता मंदिर परिसर में मेले का आयोजन हुआ। कस्बे और आसपास के गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु मेले में पहुंचे। भक्तों ने माता के दर्शन कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। मेले में पारंपरिक गैर नृत्य का विशेष आकर्षण रहा। फुलों ने पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-धाली की धुन पर गैर नृत्य किया। कस्बे और आसपास के लोगों की भागीदारी से कार्यक्रम की रौनक दोगुनी हो गई। महिलाओं ने भी लोक संस्कृति को दर्शाती पारंपरिक पोशाक में मेले का आनंद लिया। मंदिर को फूल मालाओं से सजाया गया। रंग-बिरंगी और दुर्धिया रोशनी से मंदिर सजला गया। मेले में बच्चों और बड़ों ने झूलों का आनंद लिया। महिलाओं ने विभिन्न स्टॉलों से खरीदारी की। श्रद्धालुओं ने माता को प्रसाद अर्पित किया।

# जोधपुर रेल मंडल : मोबाइल से भी मिलेगा प्लेटफॉर्म टिकट

जोधपुर, (का.सं.)।रेलवे यात्रियों को बेहतर और त्वरित सुविधाएं देने के लिए लगातार डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा दे रहा है। इसी क्रम में अब यानी अपने मोबाइल फोन के माध्यम से ही प्लेटफॉर्म टिकट प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए रेलवे द्वारा शुरू किए गए रेलवन एप का उपयोग किया जा सकता है। इस सुविधा के शुरू होने से स्टेशन पर टिकट खिडकों के सामने लगने वाली लंबी कतारों से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव के अनुसार यात्रियों को अब प्लेटफॉर्म टिकट लेने के लिए कांटर तक जाने की आवश्यकता नहीं है। वे अपने मोबाइल में रेलवन एप डाउनलोड कर आसानी

से प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एप से टिकट बुकिंग की प्रक्रिया सरल है और कुछ ही मिनटों में टिकट जारी हो जाता है। टिकट जारी होने के बाद उसका डिजिटल स्वरूप मोबाइल में उपलब्ध रहता है, जिसे स्टेशन पर जांच के समय दिखाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म टिकट की यह व्यवस्था यात्रियों के समय की बचत के साथ-साथ रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन में भी सहायक होगी। त्योहारों, छुट्टियों और विशेष अवसरों पर अक्सर प्लेटफॉर्म टिकट लेने के लिए लंबी कतारें ला जाती हैं, जिससे यात्रियों को असुविधा होती है। मोबाइल एप के माध्यम से टिकट मिलने से यह समस्या काफी हद

तक कम होगी। उल्लेखनीय है कि इस एप के जरिए जनरेट किए जाने वाले प्लेटफॉर्म की वैधता भी दो घंटे ही रहेगी।

इस तरह की डिजिटल सुविधाओं के उपयोग से टिकट कांटर पर दबाव कम होगा और यात्रियों को तेज व सुगम सेवा मिल सकेगी।

साथ ही नकदी लेन-देन की आवश्यकता भी कम होगी जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों बढ़ेंगी।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रेलवन एप का उपयोग करें और डिजिटल टिकटिंग की इस सुविधा का लाभ उठाएं, ताकि यात्रा से जुड़ी सेवाएं और अधिक सरल, सुरक्षित तथा सुविधाजनक बन सकें।

वहीं उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा

जयपुर-जोधपुर-जयपुर रेलसेवा को अब इलेक्ट्रिक इंजन से संचालित किया जाएगा। इससे रेल संचालन अधिक सुगम, पर्यावरण के अनुकूल तथा ऊर्जा दक्ष होगा।

मंडल रेलप्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार गाड़ी संख्या 22977/22978, जयपुर-जोधपुर-जयपुर रेलसेवा जोधपुर से दिनांक 1० मार्च से तथा जयपुर से 11 मार्च से इलेक्ट्रिक इंजन से संचालित की जाएगी। रेलवे द्वारा इस रेलसेवा में इलेक्ट्रिक इंजन के संचालन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ इंधन की बचत एवं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। यात्रियों को भी इससे बेहतर और अधिक सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी।

## आकांक्षा पालावत ने पी.एच.डी. की

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा जोधपुर निवासी आकांक्षा पालावत को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने राजस्थान सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में ‘राजस्थान सुजस’ पत्रिका का योगदान : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (वर्ष 2०11 से 202० के विशेष संदर्भ में) विषय पर अपना शोधकार्य पूर्ण किया है। शोधकार्य हिंदी विभागाध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्षता, कला संकाय प्रो. एस. के. मीणा के निर्देशन में संपन्न हुआ। शोध में ‘राजस्थान सुजस’ पत्रिका के माध्यम से राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा आमजन तक उनकी प्रभावी पहुंच का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।

इसके साथ ही महिलाओं और बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। शाम को मेला प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समारोह होगा। इसके बाद रात 9:3० बजे तक डांडिया नृत्य का आयोजन किया जाएगा।

महोत्सव को सफल बनाने में चंद्रप्रकाश साधवानी, सुनील निहलानी, हरीश गुरगुनानी, नथमूल गंगवानी, राजेश बेलानी, सुरेंद्र निहालानी, दीपक आडवाणी, प्रकाश सिरवानी, राधाकिशन शिवनानी, मनोज तनवानी, निखिल गुलवानी, सुरेश परशवानी, ललित निहलानी, यजुवेंद्र खेमलानी, जितेंद्र हरचंदानी, ललित मोडवानी, दीलत तनवानी, महेश वासवानी, राम बेलानी, किशोर आडवाणी, सुनील श्यामयानी, नितिन सिरवानी, रमेश श्यामानी, नंद सतवानी, हरीश आसनानी, प्रेम लोहानी, पार्थ तनवानी, हार्दिक थावानी, वंश आडवाणी सहित महिला मातृशक्ति से कुसुम लोहानी और नितू अमरनानी सक्रिय सहयोग कर रहे हैं।

दोपहर 1 बजे सिंधु भवन में भंडारा आयोजित किया जाएगा। शाम 7 बजे झुलेलाल मंदिर प्रांगण में पंजड़ा कार्यक्रम होगा, जिसके बाद रात 9:3० बजे से मंदिर प्रांगण में डांडिया नृत्य और मेला आयोजित होगा।

21 मार्च को सुबह 9 बजे सिंधु भवन में रक्तदान शिविर लगाया जाएगा।

महोत्सव को सफल बनाने में चंद्रप्रकाश साधवानी, सुनील निहलानी, हरीश गुरगुनानी, नथमूल गंगवानी, राजेश बेलानी, सुरेंद्र निहालानी, दीपक आडवाणी, प्रकाश सिरवानी, राधाकिशन शिवनानी, मनोज तनवानी, निखिल गुलवानी, सुरेश परशवानी, ललित निहलानी, यजुवेंद्र खेमलानी, जितेंद्र हरचंदानी, ललित मोडवानी, दीलत तनवानी, महेश वासवानी, राम बेलानी, किशोर आडवाणी, सुनील श्यामयानी, नितिन सिरवानी, रमेश श्यामानी, नंद सतवानी, हरीश आसनानी, प्रेम लोहानी, पार्थ तनवानी, हार्दिक थावानी, वंश आडवाणी सहित महिला मातृशक्ति से कुसुम लोहानी और नितू अमरनानी सक्रिय सहयोग कर रहे हैं।

## अतिक्रमण हटाया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर नगर निगम की ओर से ट्रैफिक में बाधा बन रहे अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुक्रवार को घंटाघर क्षेत्र में की गई। इस दौरान टीम ने घंटाघर में अस्त-व्यस्त सड़के रहने वाले ठेलों, सामान आदि को हटवाया। कार्रवाई में ट्रैफिक पुलिस भी शामिल रही।

मार्केट में नई सड़क के दोनों ओर दुकानदार बरामदा में अपना सामान रखते हैं। वहीं ठेले वाले सड़क पर खड़ा हो जाते हैं, जिसकी वजह से यहां सुबह-शाम ट्रैफिक जाम हो जाता है। भीड़-भाड़ की वजह से आने वाले लोग और वाहन चालक भी परेशान होते हैं।

शिवगिरी शेरगढ़ मठ व महंत मगनपुरी भियाड़ मठ का सानिध्य मिलेगा। वीर सबल सिंह जोधा की महाराजा जसवंत सिंह प्रथम के साथ काबुल युद्ध में अग्रिम पंक्ति में भूमिका रही। महाराजा जसवंत सिंह ढे जर्मरूद में निधन के बाद संकट के समय महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महेशदासोत जोधा रावली कोटड़िया, देवारासिंह पाटोदी, उदय सिंह फलसुंड, गंगासिंह फलसुंड, हरि सिंह फलसुंड, विजयसिंह फलसुंड, बगवतार सिंह नागाणा, अमरसिंह सरथला, छत्रसालसिंह नेवाड़, भगवत सिंह साई, नारायणसिंह केसवाणा, गजेन्द्रसिंह नेवरी व कुलदीप सिंह साई की आयोजन में विशेष भूमिका रहेगी।

# जोधपुर रेंज आई.जी. सत्येंद्र सिंह ने वार्षिक निरीक्षण किया

बालोतरा, (नि.सं.)। जोधपुर रेंज के नवीनयुक्त पुलिस महानिरीक्षक सत्येंद्र सिंह शुक्रवार को बालोतरा जिला मुख्यालय के दौरे पर रहे। बालोतरा जिला बनने के बाद पुलिस व्यवस्थाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए आईजी का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है।

आईजी सत्येंद्र सिंह के पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर बालोतरा एसपी रमेश कुमार ने उनकी अगवानी की। इस दौरान पुलिस की एक विशेष टुकड़ी द्वारा आईजी को गार्ड ऑफ आनर देकर सम्मान दिया गया। एसपी रमेश ने गुप्तदस्ता भंट कर जिले की पुलिसिंग को संक्षिप्त जानकारी दी।

## पालतू श्वान को पत्थर मारने पर केस दर्ज कराया

जोधपुर, (कासं।) शहर के पुरानी पुलिस लाइन के पास में पालतू श्वान को पत्थर मारे जाने पर मालिक ने एक युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम में मामला दर्ज किया है।

उदयमंदिर पुलिस ने बताया कि पुरानी पुलिस लाइन के समीप रहने वाले दीक्षित सिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 3 मार्च को उसका पालतू श्वान गली में विचरण कर रहा था। तब आसिफ मो. नाम के शख्स ने उस पर पत्थर फेंका और जिससे श्वान चोटिल हो गया। पुलिस ने घटना को लेकर दीक्षित सिंह की रिपोर्ट पर पशु क्रूरता का केस दर्ज किया है।

उन्होंने बताया कि 19 मार्च को सुबह 9 बजे वाहन रैली निकाली जाएगी। यह रैली सिंधी कॉलोनी से शुरू होगी।

जोधपुर, (कासं।)शहर के करवड़ पुलिस थाना क्षेत्र में सड़क हादसों में घायल दो लोगों की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया। करवड़ पुलिस ने बताया कि रूपावतों की ढाणी नेतड़ा निवासी चतुर सिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके पिता मनोहर सिंह अपनी बाइक लेकर नेतड़ा गांव की सड़क से निकल रहे थे। तब किसी टुक चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में उसके पिता बुरी तरह घायल हो गए। बाद में अस्पताल ले जाने पर मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

इसी तरह भवाद करवड़ निवासी आसुराम पुत्र कोजामराम दाम्नी ने रिपोर्ट दी कि उसका पुत्र 4 वर्षों को बालह लेकर नेतड़ा से निकल रहा था। तब अज्ञात वाहन चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में घायल उसके पुत्र की अब मौत हो गई। दोनों प्रकरण में जांच एएसआई पदमराम के पास है।

# वीर सबल सिंह जोधा की अश्वारूढ़ मूर्ति का अनावरण कल

जोधपुर/पोकरण, (कासं)। फलसुंड के संस्थापक वीर सबल सिंह जोधा की अश्वारूढ़ मूर्ति का अनावरण 8 मार्च को प्रातः 1०.15 बजे फलसुंड में किया जाएगा। पूर्व नरेश गज सिंह समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

आयोजन समिति के रतन सिंह जोधा सरपंच फलसुंड ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि जोधपुर से पूर्व नरेश गजसिंह व अति विशिष्ट अतिथि जैसलमेर के पूर्व महारावल चैतन्य राज सिंह व लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ होंगे।

विशिष्ट अतिथि केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व मंत्री चंद्रश कुमारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवर,

स्वागत कार्यक्रम के पश्चात आईजी सत्येंद्र सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभामार में महत्वपूर्ण क्राइम मीटिंग ली। बैठक में जिले के सभी एएसपी हरफूलसिंह, वृत्ताधिकारी और सभी थाना क्षेत्रों के थानाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के लंबित मामलों का निस्तारण; आईजी ने थानों में पंढिंग चल रहे मुकदमों की समीक्षा की और अधिकारियों को सम्भवतः तरीके से जांच पूरी करने के निर्देश दिए।

सोमावती और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते नशों के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए एलक कार्रवाई की बात कही। पुलिस की छवि को जनात के बीच सुधारने और परिवारदियों में

सुनवाई प्राथमिकता से करने पर जोर दिया गया। आदतन अपराधियों और हिस्ट्रीशीटर्स की गतिविधियों पर नैनी नजर रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक के बाद आईजी ने एसपी कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और रिकार्ड के संधारण मॉटेनॅस को लेकर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

आईजी सत्येंद्र सिंह के अनुसार कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना और आम नागरिक को सुरक्षित महसूस कराना महत्वाकी प्राथमिकता है। अपराधों की रोकथाम में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# झूलेलाल जयंती की तैयारी पर सिंधी समाज ने चर्चा की

पाली,(नि.सं. ) सिंधी समाज के इष्ट देव भगवान झूलेलाल की जयंती चैतीचंद महोत्सव को लेकर आज सिंधी कॉलोनी स्थित सिंधु भवन में सिंधी समाज की आम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता झूलेलाल मंडल अध्यक्ष देवीदास चंदनानी, सिंधी समाज सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश परशवानी, पूर्व उपमहापौर ललित पित्तमानी और कोकिला नानावानी ने की।

मंडल प्रवक्ता जय थावानी ने बताया कि 2० मार्च को चैतीचंद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैय कर अलग-अलग जिम्मेदारियों सौंपी गई हैं।

उन्होंने बताया कि 19 मार्च को सुबह 9 बजे वाहन रैली निकाली जाएगी। यह रैली सिंधी कॉलोनी से शुरू होगी। आईजी कॉलोनी, पुराना हाउसिंग बोर्ड, नया हाउसिंग बोर्ड, रेलवे स्टेशन, गांधी मूर्ति, सूरजपोल होते हुए पुनः गांधी मूर्ति, भैरूघाट और पानी दरवाजा होते हुए सिंधी कॉलोनी मंदिर पर समाप्त

# महिला की फोटो वायरल की धमकी दी

जोधपुर, (कासं)। बनाड़ स्थित एक महिला को इंस्टाग्राम आईडी पर बदमाश ने आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने के साथ फोटो को वायरल किए जाने की धमकी दी। बदमाश महिला को काफी घमनों से परेशान कर रहा है। पीड़िता ने बनाड़ थाने में आईटी एवं घमकाने का केस दर्ज कराया है। फिलहाल पुलिस आरोपी की पहचान कर रही है।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि क्षेत्र

की रहने वाली शादीसुदा महिला ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पर एक्टिव है। उसकी आईडी पर 17 अवंतों को किसी बदमाश ने आपत्तिजनक पोस्ट करते हुए बदनाम करने का प्रयास किया। साथ ही वह उसकी फोटो को भी वायरल किए जाने की धमकी दे रहा है। काफी समय से आरोपी उसे तंग और परेशान कर रहा है। थानाधिकारी लेखराज ने बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया गया है।

सिंह राठौड़, पूर्व आर ए एस हरि सिंह राठौड़, मेघराज सिंह रॉवल, करण सिंह उंचियारड़ा, कुंभसिंह पातावत, सुनीता भाटी, अरण सिंह बगड़ी, उमदेद सिंह चौरड़िया, समुंदर सिंह नोसर, जोगेंद्र सिंह चौहान, स्वरूप सिंह खारा, किशोर सिंह कानोड, विक्रमादित्य सिंह बुजीवाड़ा, मनोहर सिंह चौहान आकल, यशवर्धन सिंह झेरली, श्यामसिंह उदावत सोवा, राजेन्द्र सिंह नरूका, लड़ान सिंह उपस्थित रहेंगे।

महंत गंगानाथ महाराजा सिरै मंदिर जालोर, महंत गोरखनाथ ख्यला मठ, महंत प्रतापपुरी महाराज ताराणा मठ व विधायक प्रतापपुरी पोकरण, महंत रावलपुरी स्वामीजी की ढाणी मठ, महंत ओंकार भारती परेरू मठ, महंत

# जालोर नागरिक सहकारी बैंक की मुख्य शाखा के नए भवन का शुभारंभ आज

जालोर, (का.सं.)। जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के राजेन्द्र नगर पर स्थित मुख्य शाखा, जालोर के नवनिर्मित भवन का भव्य शुभारंभ 7 मार्च को किया जाएगा। बैंक की ओर से अपनी स्वयं की भूमि पर इस आधुनिक भवन का निर्माण करवाया गया है, जिससे ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक एवं प्रभावी बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के मुख्य सचैतक जोगेश्वर गर्ग कार्य म के मुख्य अतिथि होंगे, जबकि समारोह की अध्यक्षता बैंक के संस्थापक अध्यक्ष मदनराज बोहरा करेंगे।

कायक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, पुखराज पाराशर पूर्व अध्यक्ष, जन अभियोग निराकरण समिति, रामराज सरकार, डॉ. प्रदीप गवांडे जिला कलेक्टर, जालोर तथा देवेन्द्र अमरावत अतिरिक्त रजिस्ट्रार,

सहकारी समितियां, खंड जोधपुर की उपस्थित रहेगी। बैंक का यह नया भवन सभी आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से सुसज्जत है।

यहां ग्राहकों की सुविधा के लिए एटीएम तथा केश डिपॉजिट मशीन भी स्थापित की गई है। शाखा का स्थान अधिक सुगम एवं सुविधाजनक होने से ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ लेने में विशेष सुविधा मिलेगी। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैंक परिसर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से आरामदायक लाउंज की व्यवस्था भी की गई है।

बैंक प्रबंधन के अनुसार निकट भविष्य में बैंक की सेवाओं को और अधिक उन्नत बनाने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित तकनीक का उपयोग भी शुरू किया जाएगा, जिससे बैंक के ग्राहकों को तेज, सुरक्षित और आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं मिल सकेंगी।

# हिन्दू महोत्सव समिति ने शोभायात्रा निकाली

पाली, (नि.सं.) होली के बाद धुलडी पर गांव शाही गैर पास होने पर पिछले सैकड़ों वर्षों से बादशाह की खर्ची को सफा निकाले होने, लेकिन शहर में इसका विरोध होने पर पिछले साल से श्याम संग होली की सवारी निकली। जिसमें सैकड़ों किलो गुलाल उड़कर शहर की सड़के लाल हो जाती है। यह कार्यक्रम इस बार भी गुरुवार को हुआ।

हिंदू महोत्सव समिति के मंत्री परमेश्वर जोशी बताया कि इस शोभा यात्रा में हिन्दू समाज ,संस्थाओं ने भाग लिया एवं भजन-पं पर लोग नाचते गाते हुए शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए होली की गुलाल उड़ाई। शोभायात्रा धानमंडी से श्यामा की आरती के पश्चात प्रारम्भ हुई।

श्याम संघ होली में 1111 गुलाल से पूरे रास्ते होली का लोगो ने आनन्द लिया। समिति के सभी सदस्यों ने एवं गांव सही लोगों ने आरती कर भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त कर शोभायात्रा प्रारंभ की गई शोभायात्रा में सर्वप्रथम पुष्कराण समाज द्वारा ओंम का भव्वा झंडा लिए चल रहे थे। ट्रेक्टर में कृष्ण के साथ त्वालो द्वारा होली खेली जाने का चित्रण किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक शिव प्रकाश प्रजापत ने बताया कि 6 बजे राधा कृष्ण की सवारी की आरती के हुई और शोभायात्रा सोमनाथ मंदिर भेरू घाट पानी दरवाजा पाल्लीवालो का बास बादशाह का झंडा सरफा बाजार होते हुए पुनः धान मंडी शोभायात्रा पूर्ण हुई।

समिति के अध्यक्ष रंगलाल चौधरी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

# साक्षरता रथ रवाना

पाली, (नि.सं.)। राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार चल रहे नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अभियान के तहत शुरुआत को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा कार्यालय से साक्षरता रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

ब्लॉक समन्वयक भगवाना सिंह चारण ने बताया कि इस मौके पर जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी कैलाश चन्द्र राठौड ने कहा कि रथ के माध्यम पाली पंचायत समिति एवं शहर क्षेत्र में आमजन को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने



# स्वदेशी की ताकत से भारत बनेगा दुनिया की महाशक्ति : भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री मोदी का "मेक इन इंडिया" का उद्घोष बना आत्मनिर्भर भारत का आह्वान : मुख्यमंत्री

**-कार्यालय संवाददाता-**  
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वदेशी हमारी संस्कृति का हिस्सा है और यह हमारी समातन परंपरा है। स्वदेशी की इसी ताकत से हमारा देश आत्मनिर्भर बनने के साथ ही दुनिया की महाशक्ति बनेगा। शर्मा शुक्रवार को जगतपुर में स्वदेशी जागरण मंच के उद्यमी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।  
उन्होंने कहा कि स्वदेशी और स्वावलंबन भारत की आत्मा में हजारों वर्षों से समाए हुए हैं। सदियों पहले जब यूरोप के देश व्यापार के नाम पर दुनिया में भटक रहे थे, तब भारत के मुर्शिदाबाद की मलमल, बनारस का रेशम, राजस्थान की लहरिया और बंधेज पूरी दुनिया के बाजारों की शान थे। उन्होंने कहा कि इसी पहचान और आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी जागरण मंच लगातार परिश्रम कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड का उद्घोष कर पुनर्जागरण का आह्वान किया है। कोरोना के समय हमारे देश ने दुनिया के कई देशों को दवाइयां और वैक्सिन भेजी। यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत थी और प्रधानमंत्री की उस सोच का परिणाम भी जिसने भारत को उपभोक्ता से उत्पादक बनाने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग और कार्यों से देश



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जगतपुर में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित उद्यमी सम्मान समारोह में भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का आगाज किया।

आत्मनिर्भरता में आगे बढ़ रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। विश्व में देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई है। आज भारत रक्षा क्षेत्र से लेकर सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर बन रहा है। यह प्रधानमंत्री की नीतियों, दृढ़ इच्छाशक्ति और देशवासियों की

मेहनत का ही फल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े उद्योगों के साथ ही छोटे एवं स्थानीय उद्यमियोंसे आत्मनिर्भरता आती है। यही स्वदेशी की आत्मा और प्रामोद्योग की ताकत है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की खरीददारी से उस उत्पाद से जुड़ी पूरी श्रृंखला को सहारा मिलता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए

पंच गौरव कार्यक्रम लागू किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले वर्ष में ही राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। जिसके तहत 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू हुए। इनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की हस्तशिल्प कला भी हमारी पहचान है, जिसके

■ भजनलाल शर्मा ने कहा कि "सदियों पहले जब यूरोप के देश व्यापार के नाम पर दुनिया में भटक रहे थे, तब भारत के मुर्शिदाबाद की मलमल, बनारस का रेशम, राजस्थान की लहरिया और बंधेज पूरी दुनिया के बाजारों की शान थे।"

उत्पादों की विश्व में मांग है। वहीं किले, महल, अभ्यारण्य और मंदिरों से हमारा पर्यटन क्षेत्र निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियों हमारी धरोहर है। हमारी सरकार इन हवेलियों को चिन्हित करते हुए इनके संरक्षण का काम कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक आर. सुंदरम, राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल, अखिल भारतीय महिला प्रमुख अर्चना मीणा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जयपुर प्रांत के संघचालक महेन्द्र सिंह मगगोसहित प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

## कलेक्टर और एसपी ने क्या कोर्ट को पोस्ट ऑफिस समझ रखा है : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पैरोल प्रार्थना पत्रों को लापरवाही से खारिज करने से जुड़े मामले में भरतपुर कलेक्टर और एसपी पर नाराजगी प्रकट की। अदालत ने कहा कि आप लोगों ने कोर्ट को क्या पोस्ट ऑफिस समझ रखा है। आपके इसी रवैये के चलते कोर्ट में पैरोल से जुड़े प्रकरण लगातार बढ़ रहे हैं और हम जरूरी मामलों की सुनवाई नहीं कर पाते हैं। जस्टिस महेन्द्र गोयल व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह टिप्पणी शुक्रवार को अनिल कपूर उर्फ रिंकू की याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

सुनवाई के दौरान अदालत आदेश की पालना में भरतपुर कलेक्टर व एसपी कोर्ट में हाजिर हुए। अदालत ने दोनों अफसरों को कहा कि वे इन मामलों में अपना मरिस्तक काम में क्यों नहीं लेते हैं। मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता कैदी 12 साल की सजा काट चुका है और वह पिछले 4 साल से ओपन जेल में है, लेकिन एक पुलिसकर्मी की रिपोर्ट पर आप लोगों ने भरोसा कर लिया। आपने अपना मरिस्तक इस्तेमाल नहीं किया। यदि आप किसी चीज को लेकर आशंका जता रहे हैं तो उसके ठोस सबूत भी पेश करें। वहीं

कलेक्टर की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता की 20 दिन की पैरोल मंजूर कर ली गई है। इसके साथ ही एसपीए गृह और डीजीपी की ओर से विधानसभा सत्र में व्यस्त होने का हवाला देते हुए उपस्थिति से छूट चाही। जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि कई बार दोनों अफसरों को इस व्यवस्था में सुधार के लिए कहा जा चुका है, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। ऐसे में वे 16 मार्च को पेश होकर इस लापरवाही पूर्ण रवैये पर अपना स्पष्टीकरण दें और साथ ही भविष्य में ऐसी

लापरवाही से बचने के उपायों के बारे में भी बताएं। मामले से जुड़े अधिकता गोविंद प्रसाद रावत ने बताया कि याचिकाकर्ता कैदी का आचरण संतोषजनक है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग भरतपुर के संयुक्त निदेशक ने भी रिपोर्ट में पैरोल देने की सिफारिश की थी, लेकिन भरतपुर एसपी की रिपोर्ट पर उसे पैरोल नहीं दी गई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने चारों अफसरों को तलब करते हुए याचिकाकर्ता के पैरोल पर विचार करने को कहा था।

# भट्टा बस्ती में जुमे की नमाज के दौरान ढही मस्जिद की दीवार, 15 नमाजी घायल हुए

छह लोगों की हालत गंभीर, घायलों को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया

**-कार्यालय संवाददाता-**  
जयपुर। राजधानी के भट्टा बस्ती थाना इलाके में स्थित फिरदौस मस्जिद में शुक्रवार दोपहर जुमे की नमाज के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मस्जिद की एक दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से करीब पंद्रह नमाजी घायल हो गए। हादसे के समय मस्जिद में सैकड़ों लोग मौजूद थे। दीवार गिरते ही मस्जिद परिसर में अफरा-तफरी मच गई और चौख-पुकार सुनाई देने लगी।  
एडिशनल डीसीपी नार्थ बजरंग सिंह



भट्टा बस्ती इलाके में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद की दीवार ढहने से एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।



जयपुर शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आरआर तिवारी ने कहा कि ईश्वर का शुक है कि बड़ा हादसा नहीं हुआ। कुछ लोगों के चोट लगी, जिनका उपचार चल रहा है।

■ चीख-पुकार के बीच लोगों ने खुद शुरू किया रेस्क्यू, मलबे से लोगों को बाहर निकाला

■ हादसे की सूचना पर भट्टा बस्ती पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया

शेखावत ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 2:30 बजे जुमे की नमाज समाप्त होने के बाद कुछ नमाजी मस्जिद से बाहर निकल रहे थे, जबकि कुछ लोग वजुखाने के पास भीड़ कम होने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक दीवार का एक हिस्सा ढह गया और वहां खड़े लोग मलबे की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद नमाजियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और मलबा हटाकर घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद

घायलों को ई-रिक्शा, ट्राई साइकिल और अन्य वाहनों की मदद से तुरंत कांबटिया अस्पताल पहुंचाया गया। भीड़ अधिक होने के कारण राहत कार्य में कुछ देर तक मुश्किल भी आई, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी घायलों को जल्द अस्पताल पहुंचा दिया गया। कांबटिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.एस. तंवर ने बताया कि कुल 15 घायलों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से 6 लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल रेफर किया गया, जबकि मामूली चोट वाले लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं गंभीर घायलों में रस्तम (40), ईशान

(34), खुशींद (25), सुहैल (25), इमाम जफर (20) और इकबाल (18) शामिल हैं। एसएमएस अस्पताल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ. जगदीश मोदी ने बताया कि 11 घायलों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन मरीज आईसीयू में भर्ती हैं, जबकि आठ का इलाज मास कैजुअल्टी चार्ज में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही भट्टा बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार मस्जिद की दीवार का केवल एक हिस्सा गिरा है, जिससे बड़ा जानी नुकसान टल गया। प्रारंभिक जानकारी में दीवार के कमजोर होने और उस

पर अचानक अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की तकनीकी जांच कर रही है और सुरक्षा के सुपरिंटेंडेंट डॉ. जगदीश मोदी ने बताया कि 11 घायलों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन मरीज आईसीयू में भर्ती हैं, जबकि आठ का इलाज मास कैजुअल्टी चार्ज में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही भट्टा बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार मस्जिद की दीवार का केवल एक हिस्सा गिरा है, जिससे बड़ा जानी नुकसान टल गया। प्रारंभिक जानकारी में दीवार के कमजोर होने और उस

कहना है कि जुमे की नमाज के बाद अचानक बच्चे भागने लगे तो दीवार पर अतिरिक्त लोड पड़ गया व दीवार गिर गई। जहां दीवार गिरी है। उस जगह चपलें उतारी जाती हैं, लेकिन लोग नमाज पढ़कर निकल रहे थे तो उन पर दीवार गिर गई। जयपुर शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आरआर तिवारी ने कहा कि ईश्वर का शुक है कि बड़ा हादसा नहीं हुआ। कुछ लोगों के चोट लगी, जिनका उपचार चल रहा है।

## ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने जान दी

जयपुर। करघनी थाना इलाके में स्थित कनकपुरा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक युवक ने एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार युवक की पहचान करीब 35 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। लेकिन

पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि युवक ने अचानक स्टेशन पर आ रही एक्सप्रेस ट्रेन के सामने छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्टेशन परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर करघनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे

## 10 मार्च तक जारी रहेगी विधानसभा की कार्यवाही

जयपुर (विंस)। राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही अब 10 मार्च तक चलेगी। शुक्रवार को स्पीकर वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में हुई विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति (बीएस) की बैठक में आगामी दिनों का कार्यक्रम तय किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 7 और 8 मार्च को विधानसभा की

छुट्टी रहेगी, जबकि 9 और 10 मार्च को महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा कर उन्हें पारित कराया जाएगा। 9 मार्च को सदन में राजस्थान पंचायतीराज संशोधन बिल-2026 और राजस्थान आयुर्वेद और योग चिकित्सा विश्वविद्यालय बिल-2026 पर चर्चा होगी और बहस के बाद इन्हें पारित कराया जाएगा।

## आई.ओ.आर.ए. इकोलोजिकल सोल्यूशन और कृषि विभाग के बीच सहमति बनी

जयपुर (कांस)। कृषि विभाग और आईओआरए इकोलोजिकल सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के मध्य राजस्थान में एग्रीकल्चरल लैंड मैनेजमेंट कार्बन प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए सहमति हुई। इस प्रकार की गतिविधियों में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्क्रीम 2023 के तहत राजस्थान के किसानों को सुगमता से

कार्बन फाइनेंस उपलब्ध कराने हेतु राज्य के चयनित ब्लॉकों में कार्बन उत्सर्जन को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जा रहा है। इनमें कोटपुतली-बहरोडा का बानसपुर ब्लॉक, दौसा का महवा और टोंक का बालपुरा ब्लॉक शामिल है। किसानों को पायलट प्रोजेक्ट के लिए बनाया गया एक आर्थिक और पर्यावरणीय तंत्र है।

## डेगाना में दरी पट्टियों की खरीद पर सदन में हंगामा

शिक्षा मंत्री ने विधानसभा में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को निलंबित करते हुए पूरे प्रकरण की जांच की घोषणा की

**-विधानसभा संवाददाता-**  
जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कई मुद्दों पर तीखी बहस और हंगामा देखने को मिला। सबसे ज्यादा चर्चा डेगाना विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में दरी पट्टियों की खरीद को लेकर हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने तत्कालीन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को निलंबित करने के आदेश देते हुए पूरे प्रकरण की जांच कराने की घोषणा की। प्रश्नकाल के दौरान डेगाना से विधायक अजय सिंह किलक ने भेरुंडा क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों में दरी वितरण में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां अधिक दरी की जरूरत थी, वहां कम दरियां खरीदी गईं और वितरण में भी गड़बड़ी हुई।

से 300 छात्रों का नामांकन है, वहां केवल 10-15 फीट की एक दरी दी गई, जबकि कुछ ऐसे स्कूल भी हैं जहां नामांकन बहुत कम या शून्य है, वहां भी एक-एक दरी भेज दी गई। इस पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि दरी पट्टियों की खरीद में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं और इसमें भ्रष्टाचार की बू आ रही है। उन्होंने कहा कि यह मामला पिछली कांग्रेस सरकार के समय का है और उस दौरान सरकारी धन की लूट हुई है। मंत्री ने मामले की जांच के आदेश देते हुए तत्कालीन बीईओ को निलंबित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि करीब 35 लाख रुपये की दरियां खरीदी गई थीं। उस समय के विधायक की सिफारिश पर स्कूलों के लिए दरी पट्टियां देने की बात थी, लेकिन बाद में उनकी जगह फर्श खरीदी गए। रिकॉर्ड के अनुसार 288 फर्श स्कूलों तक पहुंचे, जबकि 171 फर्श का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। मदन दिलावर ने आरोप लगाया कि उस समय के विधायक विजयपाल पिथिया के कार्यकाल में जिन शिक्षकों ने दरी लेने से मना किया, उनके तबादले तक करवा दिए गए थे। इस पर उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने सवाल उठाया कि यदि संबंधित व्यक्ति अब धाजपा में शामिल है तो क्या उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी भ्रष्टाचार पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किलक ने बताया कि वर्ष 2022-23 में विधायक कोष से 399 दरी पट्टियां वितरित करने का दावा किया गया था, लेकिन भेरुंडा सीबीओ ब्लॉक में 171 दरियां दी जानी थीं, जबकि केवल 104 ही दी गईं। उन्होंने कहा कि करीब 5 लाख रुपये से अधिक कीमत की दरियां अब तक वितरित नहीं हुई हैं। इस संबंध में उन्होंने 17 दिसंबर 2022 का एक रिकॉर्ड पत्र भी सदन में पेश करने की बात कही, जिस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भेरुंडा के प्रधानाचार्य और स्टोर ईंचार्ज के हस्ताक्षर हैं। विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि कई स्कूलों में जहां 200

दरियां खरीदी गईं और वितरण में भी गड़बड़ी हुई। किलक ने बताया कि वर्ष 2022-23 में विधायक कोष से 399 दरी पट्टियां वितरित करने का दावा किया गया था, लेकिन भेरुंडा सीबीओ ब्लॉक में 171 दरियां दी जानी थीं, जबकि केवल 104 ही दी गईं। उन्होंने कहा कि करीब 5 लाख रुपये से अधिक कीमत की दरियां अब तक वितरित नहीं हुई हैं। इस संबंध में उन्होंने 17 दिसंबर 2022 का एक रिकॉर्ड पत्र भी सदन में पेश करने की बात कही, जिस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भेरुंडा के प्रधानाचार्य और स्टोर ईंचार्ज के हस्ताक्षर हैं। विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि कई स्कूलों में जहां 200

# भरतपुर के इन्द्रा नगर में जलभराव के कारण कई मकानों में आई दरारें

लोगों को मकान गिरने का डर सता रहा है, आसपास के सभी नाले ब्लॉक हुए

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर नगर निगम के पूर्व मेयर अभिजीत के वाई इन्द्रा नगर के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। हीरादास कुंडा का पानी अब इन्द्रा नगर कॉलोनी की तरफ बढ़ने लगा है, जिससे लोगों के मकानों में दरारें आने लगी हैं। फर्श चटकने लगे हैं। ऐसे लोगों को अब मकान गिरने का डर सता रहा है। स्थानीय निवासी कई बार अधिकारियों से इसकी शिकायत कर चुके हैं। उसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई है, जिसके बाद अब लोग आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं। साथ ही नगर निगम और बीडीए के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

स्थानीय निवासी कुंवर सिंह ने बताया कि इन्द्रा नगर कॉलोनी में 25 से 30 साल पहले मकान बने थे। कॉलोनी के पास हीरादास का कुंडा है। कुंडा ओवरफ्लो हो गया है, जिसका पानी नालियों से कॉलोनी की तरफ आ रहा है। पानी मकानों तक आ गया है, जिसके कारण कॉलोनी के मकानों में दरारें आने लगी हैं।



भरतपुर के इन्द्रा नगर के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं।

स्थानीय लोग कई बार प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई

सुनवाई नहीं हुई है। अब जल्द से जल्द

ही नालियों की सफाई की जाए, जिससे कॉलोनी के लोगों के मकान

■ **स्थानीय निवासी समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, उसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई है, जिसके बाद अब लोग आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं।**

सुरक्षित रह सके।

लोगों ने बताया कि जलभराव के कारण मकानों में दरारें आ गई हैं। साथ ही मच्छरों का आतंक मचा हुआ है। लोग मलेरिया की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। प्रशासन हमारी सुनवाई नहीं करता। कुंडा में सेवर की तरफ से पानी आ रहा है। आसपास के नाले बंद पड़े हुए हैं। भरतपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी और नगर निगम कोई सुनवाई नहीं करती।

## प्रदेश में नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू करने की तैयारी

विक्रानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू करने की तैयारी कर ली है। पिछले साल नया शिक्षा सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। नए शिक्षा सत्र में बच्चों और शिक्षकों के अवकाश में भी कटौती की संभावना जताई जा रही है। नए शिक्षा सत्र में ग्रीष्मकाश 17 मई से 20 जून तक किए जाने की संभावना है। 21 जून को रिवार है। ऐसे में शिक्षकों और बच्चों को 45 दिनों की जगह इस बार 36 दिन का ही अवकाश मिलेगा। पिछले साल 17 मई से 30 जून तक ग्रीष्मकाश निर्धारित किया गया था। नए शिक्षा सत्र

- नए शिक्षा सत्र में बच्चों और शिक्षकों के अवकाश में भी कटौती की संभावना जताई जा रही है।
- शिक्षकों और बच्चों को 45 दिनों की जगह इस बार 36 दिन का ही अवकाश मिलेगा

2026-27 के लिए शिविरा पंचांग के प्रस्ताव शिक्षा निदेशालय की ओर से राज्य सरकार को भिजवा दिए गए हैं। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद शिक्षा निदेशालय की ओर से शिविरा पंचांग जारी किया जाएगा।

उधर, शिक्षक संगठनों का कहना

है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश 45 से घटाकर 36 दिन किया जाना नियमों के विपरीत है। स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को 45 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश, 12 दिन मध्यविद्य अवकाश और 14 दिन शीतकालीन अवकाश मिलता है। इसीलिए शिक्षकों

को एक वर्ष में केवल 15 उपार्जित अवकाश दिए जाते हैं, जबकि अन्य कार्मिकों को 30 उपार्जित अवकाश मिलते हैं। 1 अप्रैल 2026 से राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में नया सत्र शुरू होने जा रहा है। इस संबंध में निदेशालय माध्यमिक ने सभी शिक्षक संघों को बुलाया है। 6 मार्च दोपहर 12.30 बजे शिक्षा संकुल जयपुर के सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई है। जिसमें प्रवेशोत्सव, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यालय व विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर चर्चा की जाएगी।

## अलवर : उमरैण की 16 ग्राम पंचायतों पर 1.13 करोड़ का बिजली बिल बकाया

अलवर, (निसं)। उमरैण सहायक अभियंता कार्यालय के अधीन आने वाली पंचायत समिति क्षेत्र की 16 ग्राम पंचायतों पर करीब 1 करोड़ 13 लाख रूपए का बिजली बिल बकाया है। बकाया वसूली के लिए बिजली विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है, जिससे पंचायतों में हलचल मच गई है।

एईएन कमलेश कुमार शर्मा ने बताया कि क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में पिछले कई सालों से बिजली बिल का भुगतान लंबित है। राज्य सरकार के निर्देश पर ग्राम विकास अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को नोटिस जारी कर जल्द

- बकाया वसूली के लिए बिजली विभाग ने सख्ती शुरू की, पंचायतों में हलचल मची

बकाया राशि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर एकल बिंदू थ्री-फेज कनेक्शन और जल जीवन मिशन के तहत संचालित बोरेल मोटरों पर बिजली बिल का बड़ा बकाया चल रहा है। विभाग ने चेतावनी दी है कि 20 से 25 मार्च तक भुगतान नहीं होने पर संबंधित गांवों की पानी सप्लाई की बिजली काट दी जाएगी और ट्रांसफार्मर भी उतार लिए जाएंगे।

विभाग के अनुसार तय समय में

भुगतान नहीं होने पर ट्रांसफार्मर उतारकर विभागीय ऑफिस में जमा करए जाएंगे और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद गांवों में पानी की किल्लत होने की स्थिति में जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों और ग्राम विकास अधिकारियों की मानी जाएगी। एईएन ने बताया कि सरकार हर साल ग्राम पंचायतों को बिजली बिल भुगतान के लिए बजट उपलब्ध कराती है। इसके बावजूद कई पंचायतों ने समय पर राशि जमा नहीं करवाई, जिससे बकाया

लगातार बढ़ता गया। अभियान के तहत जेईएन पूर्ण जाँच में बताया कि अब तक दो ग्राम पंचायतों में करीब 10 लाख रूपए जमा करा दिए हैं। माधोगढ़ ग्राम पंचायत के सरपंच पेमाराम सैनी ने करीब 6 लाख रूपए और ढहलावास ग्राम पंचायत के सरपंच कमलेश गुर्जर ने करीब 4 लाख रूपए का भुगतान किया है। उन्होंने बताया कि बाकी पंचायतों से भी जल्द भुगतान करने के लिए अभियान जारी है। तय समय तक बकाया जमा नहीं होने पर संबंधित पंचायतों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

## हमले का आरोपी हिस्ट्रीशीटर व एक अन्य बदमाश गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए भीमगंजमंडी थाने का हिस्ट्रीशीटर मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी व आरोपी शुभम शर्मा उर्फ कन्नु बच्चा को गिरफ्तार किया है।

मामले में सामने आया कि फरियादी ने हमलावर मनोज के कलर का टीका लगा दिया था जिसको लेकर विवाद हो गया और हमलावर मनोज उर्फ जलेबी ने अपने साथियों के साथ मिलकर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया था। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वी गौतम ने बताया कि 4 मार्च को परिव्रादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई, रिपोर्ट

में कहा 3 मार्च को मुझे छोटी बाई का चौराहा डडवाड़ा में मनोज जलेबी मिल गया। धूलखंडी होने से मैंने कलर का टीका लगा दिया, जिससे मनोज जलेबी ने मेरे थपड़ मार दिया। रिपोर्ट में कहा कि उस समय तो मामला शांत हो गया, पर थोड़ी देर बाद दुकान पर सामान लेने गया तो मनोज जलेबी व उसके अन्य साथी मेरे को मारने आये और मनोज जलेबी व उसके साथियों ने रोक कर मारपीट की व उस पर तलवार से हमला किया। शहर एसपी ने कहा कि परिव्रादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। घटना में हमलावरों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ. पूनम के

सुपरविजन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने प्रकरण को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करते हुए डडवाड़ा निवासी मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी एवं शास्त्री कॉलोनी निवासी शुभम शर्मा को गिरफ्तार किया। शहर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में अभियुक्त ने अपना पुनर् स्वीकार करते हुए बताया कि धूलखंडी पर्व पर अभियुक्त मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी के कलर का टीका लगाने से अचानक कहासुनी हो गई जिससे अकस्मत् झगड़ा हो गया।

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर-श्रीगंगानगर स्टेट हाइवे पर स्थित 18 बीबी टोल नाके को हटाने की मांग को लेकर टोल संघर्ष समिति का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी है। गुरुवार को प्रशासन और संघर्ष समिति के बीच हुई वार्ता में सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हाइवे पर चक्काजाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रुक गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि टोल प्लाजा का निर्धारित समय पूरा हो चुका है, इसके बावजूद वसूली जारी है, इसलिए टोल बूथ को हटाने की मांग की जा रही है। मौके पर पुलिस का भारी जाब्ता तैनात है और वाहनों को

वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। गुरुवार को प्रशासन और संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई, लेकिन इसमें कोई सहमति नहीं बन सकी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। देर रात तक भी लोग सड़क पर ही धरने पर बैठे रहे। आंदोलन को टूट यूनिशन ने भी समर्थन दिया है। यूनिशन के सदस्य भी धरनास्थल पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े रहे और टोल नाके को हटाने की मांग का समर्थन किया। क्रांन्त व्यवस्था बनाए रखने के लिए एनआरएफए सफ़लत से पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया है।

## उदयपुर में तीज मेले में दो गुटों हुआ विवाद, तलवारें चली

### एक बच्चा तलवार की चपेट में आ गया और घायल हो गया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के झाड़ोल थाना क्षेत्र की मगवास पंचायत में तीज पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित मेले में गुरुवार शाम दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक गुट का युवक भागकर एक दुकान में घुसा जिसके पीछे दूसरे गुट का एक युवक तलवार लेकर दौड़ा और तलवार लहराने लगा। पास में खड़ा एक बच्चा तलवार की चपेट में आ गया और घायल हो गया। घटना गुरुवार शाम दह बजे की है, जिसके बाद मेला तुरंत बंद करवा दिया गया। घटना बच्चे को तत्काल उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। उसके पांच टोंके आए हैं और हालत खतरे से बाहर है जिसे शुरुवार

- 'मेला आयोजकों ने मेले के आयोजन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जिसके लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी'

सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। थानाधिकारी फेलीराम मोणा ने बताया कि जानकारी के अनुसार कमलनाथ रोड स्थित शंकरलाल पटेल की कपड़े की दुकान है। वहां अपने 5 वर्षीय बेटे कार्तिक को साथ में लेकर दुकान पर बैठा हुआ था। उसी दुकान पर हमारा एक जवान भी बैठा था। इसी दौरान मेले में दो गुटों में आपस में झगड़ा हो

गया। झगड़ते हुए उनमें से एक गुट का युवक दौड़ते हुए शंकरलाल की दुकान के अंदर घुस गया। तभी दूसरे पक्ष का युवक तलवार लेकर उसके पीछे दौड़ा और तलवार लहराने लगा। तभी पास में खड़ा शंकरलाल का बच्चा चपेट में आ गया। वहां मौजूद हमारे पुलिसकर्मी ने हमलावर को पकड़ने की कोशिश की लेकिन बदमाश भाग गया। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस को अभी तक घटना की रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन परिजनों से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मेला आयोजकों ने मेले के आयोजन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जिसके लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## इंटेक के विशेषज्ञों ने करौली की गिरवर सिंह विशाल सिंह हवेली का निरीक्षण किया

जयपुर/करौली। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) के नई दिल्ली मुख्यालय से आए कंजर्वेशन आर्किटेक्ट और संरचनात्मक इंजीनियरों की टीम ने करौली की ऐतिहासिक धरोहर गिरवर सिंह-विशाल सिंह हवेली का स्थल निरीक्षण कर इसकी स्थापत्य एवं ऐतिहासिक विशेषताओं का अध्ययन किया।

इंटेक चैटर करौली के कन्वीनर और राजपरिवार के वर्तमान प्रमुख कृष्णचंद्र पाल के आग्रह पर इंटेक के स्ट्रक्चरल इंजीनियर बच्चू सिंह, कंजर्वेशन आर्किटेक्ट प्रभा चौधरी तथा स्थानीय विशेषज्ञ राव शिवराज पाल सिंह के तीन सदस्यीय दल ने हिंडौन दरवाजा के पास स्थित लगभग 300 वर्ष पुरानी इस ऐतिहासिक इमारत का गहन अवलोकन किया। विशेषज्ञों ने इसे वास्तुशिल्प की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय संरचना बताते हुए इमारत के विभिन्न हिस्सों का सूक्ष्म अध्ययन किया।

उल्लेखनीय है कि दो शताब्दी से अधिक पहले तत्कालीन करौली नरेश द्वारा निर्मित इस विशाल हवेली में लाल पत्थर के नक्काशीदार जालीदार झरोखे, कलात्मक शिल्पकारी युक्त छतरी, जिसमें पंचमुखी महादेव की संगमरमर की प्रतिमा नादिया के साथ स्थापित है तथा छतरी के चारों कोनों पर लाल पत्थर से निर्मित चार शेर इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। परिसर में भैरोंजी का मंदिर और कुछ प्राचीन भवन प्रतिमाएँ भी विद्यमान हैं।



इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज के नई दिल्ली मुख्यालय से आई इंजीनियरों की टीम ने करौली की गिरवर सिंह-विशाल सिंह हवेली का स्थल निरीक्षण किया।

इमारत के भीतरी भाग में दीवारों पर बने कलात्मक चित्र देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। विशेषज्ञ दल ने भवन की संरचनात्मक स्थिति का भी परीक्षण किया। उन्होंने बताया कि भवन संरचनात्मक रूप से कमजोर नहीं है, बल्कि नियमित देखरेख और उपयोग के अभाव में इसकी वर्तमान स्थिति खराब हुई है। भवन की मजबूती, क्षतिग्रस्त भागों के पुनर्स्थापन तथा संरक्षण से संबंधित अपनी विस्तृत रिपोर्ट इंटेक दिल्ली मुख्यालय द्वारा शीघ्र ही जिला प्रशासन और राज्य सरकार को सौंपी जाएगी।

निरीक्षण के पश्चात विशेषज्ञों ने चैटर कन्वीनर कृष्णचंद्र पाल, पूर्व विधायक रोहिणी कुमारी तथा करौली चैटर के अन्य सदस्यों के साथ बैठक कर इमारत की धार्मिक, ऐतिहासिक और संरचनात्मक विशेषताओं व संभावित उपयोग पर चर्चा की। दल का मत था कि ऐतिहासिक और कलात्मक दृष्टि से समृद्ध ऐसे भवनों का संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान टीम ने गंगापुर मार्ग स्थित प्राचीन मॉर्न की जाबूडी, हिंडौन गेट तथा शहर के परकोटे के कुछ हिस्सों का भी

निरीक्षण किया और इन धरोहरों की वर्तमान दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि स्थानीय चैटर को जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष इन तथ्यों को रखते हुए इनके संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

चैटर के को-कन्वीनर राव शिवराज पाल सिंह ने विशेषज्ञों को करौली की अन्य रियासतकालीन ऐतिहासिक इमारतों की स्थिति से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूर्व

- विशेषज्ञों ने इसे वास्तुशिल्प की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय संरचना बताते हुए इमारत के विभिन्न हिस्सों का सूक्ष्म अध्ययन किया
- इमारत के भीतरी भाग में दीवारों पर बने कलात्मक चित्र देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं

में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी स्थानीय चैटर के निवेदन पर धरोहर संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया था व करोड़ों की लागत से कई धरोहरों का जीर्णोद्धार कार्य करवाया था।

गौरतलब है कि देखरेख के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रही इस ऐतिहासिक इमारत को गिराकर पार्किंग बनाने के प्रशासनिक निर्णय का पूर्व विधायक रोहिणी देवी सहित अनेक विरासत प्रेमियों ने विरोध किया था, जिसके बाद जिला कलेक्टर ने भवन को गिराने की कार्रवाई स्थगित कर दी थी। इस अवसर पर इंटेक के सचिव गोविन्द सिंह सेंगर, पुणेन्द्र बंसल, राजेन्द्र दीवान तथा कृष्णान्वार सिंह सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

### अंबेडकर की मूर्ति खंडित की

अलवर, (निसं)। अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़ादामेव थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर छोटा गांव में गुरुवार रात करीब 12 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित कर दिया। प्रारंभिक जांच में दो नाबालिगों पर शक है। वहीं दलित समाज में घटना के बाद से आक्रोश है। मौके पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब 12 बजे मूर्ति को तोड़ने की आवाज सुनाई दी तो आसपास के लोग आए। तब दो युवक भागते हुए दिखे। पता चला कि अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया गया है। उसके बाद पुलिस को बुलाया गया। अब सुबह से ग्रामीणों का विरोध जारी है। शुरुवार सुबह लक्ष्मणगढ़ एसडीएम अर्चना भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने थाना अधिकारी मोहनसिंह गुर्जर के साथ ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों की मांग है कि खंडित मूर्ति को हटाकर उसकी जगह नई मूर्ति स्थापित की जाए। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि क्षतिग्रस्त मूर्ति को हटाकर उसी प्रकार की नई मूर्ति प्रशासन की ओर से लगवाई जाएगी।

सरपंच जयसिंह जाटव ने बताया कि दो नाबालिगों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया है। जिससे दलित समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

## कोटा में युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के बुढादीत थाना इलाके में घुलंडी के दिन झगड़े में हुए युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए बुढादीत पुलिस टीम ने कार्रवाई कर हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बुढादीत थाना इलाके में 4 मार्च को हुए राकेश हत्याकांड के मामले का खुलासा करने के लिये पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश सरावण के सुपरविजन में बुढादीत थानाधिकारी धीरजी रानी ने नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। मामले में जुटी पुलिस टीम को हत्या के आरोपी सोनू गुर्जर के बारे में जानकारी मिली कि आरोपी कोटा बडोदे होते हुए सुल्तानपुर की ओर जा रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी देदीयाहेड़ी निवासी सोनू गुर्जर (34) को उम्मेदपुर नहर के पास कोटा रोड से हिटने कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी सोनू गुर्जर से पूछताछ के दौरान सामने आया कि मृतक व उसके बीच शराब पीने की बात को लेकर झगड़ा हुआ था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 4 मार्च घुलंडी के

- घुलंडी के दिन शराब पीने की बात को लेकर हुये झगड़े में युवक की हत्या कर दी थी

दिन फरियादी ने बुढादीत थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि उसका भाई राकेश घुलंडी पर रंग लगाकर घूम रहा था, बाद में पता चला कि उसका भाई राकेश पाली की पुलिसिया के पास पड़ा हुआ है, जाकर देखो तो उसका भाई राकेश भी वहीं पड़ा हुआ था। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि इलाके में स्थित शराब के ठेके के पास उसके भाई राकेश के साथ सोनू गुर्जर ने मारपीट की है जिससे उसके भाई का मौके पर काफी खून बह गया और उसके भाई राकेश की मौत हो गई है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई के लिये टीम का गठन किया गया, मौके पर एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाकर घटनास्थल का बार्किंग से निरीक्षण कराया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले का खुलासा करने के लिये गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए देदीयाहेड़ी निवासी सोनू गुर्जर (34) को गिरफ्तार किया।



# ‘आर्मी डे परेड ने देशभक्ति व सैन्य गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाया’

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने सेना दिवस परेड -2026 संकलन पुस्तक व लघु फिल्म का विमोचन किया

जयपुर, 06 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 78वें सेना दिवस पर आयोजित हुई ऐतिहासिक आर्मी डे परेड ने भारतीय सेना और जनमानस के बीच सेतु बांधने का काम किया तथा इस परेड ने राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और सैन्य गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार आर्मी डे परेड का छावनी क्षेत्र के बाहर आम नागरिकों के बीच जयपुर में सम्पन्न होना हम सब के लिए गौरव की बात है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन भागीदारी ही किसी भी राष्ट्रीय उत्सव की असली शक्ति होती है। आर्मी डे परेड को आम लोगों ने अपने स्नेह और उत्साह से सफल बनाया।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 78वें सेना दिवस पर “आर्मी डे परेड संकलन” पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान सतशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भी उपस्थित रहे।

शुरुआत की है।

शर्मा ने कहा कि जनभागीदारी ही किसी भी राष्ट्रीय उत्सव की असली शक्ति होती है। आर्मी डे परेड को आम लोगों ने अपने स्नेह और उत्साह से सफल बनाया। उन्होंने इस परेड की सफलता को विभिन्न विभागों के समन्वय का परिणाम बताया। उन्होंने

भारतीय सेना के सभी सैनिकों और अधिकारियों का अभिनेदन किया और कहा कि सेना का अनुशासन व समर्पण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा उनके कठिन परिश्रम ने इस परेड को उत्कृष्ट बनाया।

शर्मा ने सेना दिवस परेड-2026 की संकलन पुस्तक एवं लघु फिल्म का

विमोचन किया। इस दौरान कार्यक्रम में लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सतशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी सहित, सेना के अधिकारी भी उपस्थित थे।

## ‘मैं कांग्रेस का राज्यसभा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घर की छत पर इसी पार्टी का झंडा फहराया करता था।

बाद में वे कांग्रेस में शामिल हुए और फिर के. राजू, एक पूर्व आईएएस अधिकारी से मिले, जो सभी उपरोक्त हुए दलितों के गाँडफादर हैं और राहुल गांधी के चारों ओर दलितों की एक दुनिया बनाने की कोशिश कर रहे हैं, "दलितों के लिए, दलितों द्वारा, दलितों के साथ।"

ठीक है यह भी, लेकिन क्या राहुल गांधी कोई विचार नहीं करते, या क्या उनका विचार इतना अंधा है कि वे हर निर्णय को के.सी. वेणुगोपाल, के. राजू या "जय जगत" जैसे को सौंपते रहते हैं?

जय जगत अपनी ताकत दिखा रहा है और यह संकेत देना चाहता है कि वह पार्टी में निर्णयों को नियंत्रित कर रहा है और वह बाँस है क्योंकि बाँस उसके साथ है।

जय जगत ने तमिलनाडु की राज्यसभा सीट भी हासिल कर ली है, जो एक ईसाई दलित को मिली है, जो जय जगत से है और के. राजू द्वारा समर्थित है।

भाजपा ने कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार को हरा देने के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार खड़ा किया है, जो बुनियादी तौर पर भाजपा से है, उसके पास ढेर सारा पैसा है और वह कांग्रेस के

■ **हरियाणा में राज्यसभा चुनाव का नतीजा इस सवाल का जवाब ढूँढने में शायद कुछ मदद करेगा।**

दलितों के नरेटिव को नियंत्रित करना चाहते हैं। वे पार्टी में स्थापित दलित नेताओं, जैसे उदय भान और अशोक तंवर को प्रोत्साहित नहीं करना चाहते। वे एक नए व्यक्ति को चाहते थे, जिसे वह नियंत्रित कर सकें।

ठीक है यह भी, लेकिन क्या राहुल गांधी कोई विचार नहीं करते, या क्या उनका विचार इतना अंधा है कि वे हर निर्णय को के.सी. वेणुगोपाल, के. राजू या "जय जगत" जैसे को सौंपते रहते हैं?

जय जगत अपनी ताकत दिखा रहा है और यह संकेत देना चाहता है कि वह पार्टी में निर्णयों को नियंत्रित कर रहा है और वह बाँस है क्योंकि बाँस उसके साथ है।

जय जगत ने तमिलनाडु की राज्यसभा सीट भी हासिल कर ली है, जो एक ईसाई दलित को मिली है, जो जय जगत से है और के. राजू द्वारा समर्थित है।

भाजपा ने कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार को हरा देने के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार खड़ा किया है, जो बुनियादी तौर पर भाजपा से है, उसके पास ढेर सारा पैसा है और वह कांग्रेस के

## क्या ट्रम्प ईरान युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे। यह एक ऐसे व्यक्ति की तस्वीर थी, जो पराजित महसूस कर रहा हो और जिसे मानो किसी दूसरी दुनिया से मदद कर रहे हो।

जैस्ती को ट्रंप अब कुछ भ्रमित से दिखाई दे रहे हैं और ऐसे दावे कर रहे हैं, जिन्हें शायद मौजूदा तथ्यों से साबित करना मुश्किल है। उन्हें यह कहते सुना गया है कि ईरान के अगले नेता के चयन में उनकी व्यक्तिगत भूमिका बिल्कुल जरूरी है। इसी के साथ, वे दुनिया भर में मौजूद ईरानी राजनीतिको से शरण लेने और एक नया ईरान बनाने के लिए कहें और से मदद लेने की अपील कर रहे हैं।

इसी सांस में उन्होंने ईरानी सेना और इस्लामिक रिवाल्व्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आई.आर.जी.सी.) सदस्यों को चेतावनी भी दी है कि वे हथियार डाल दें, क्योंकि उनके पास दूसरा विकल्प केवल मौत है। शुरुआत में ईरान के खिलाफ कुछ बहस हासिल करने के बाद अब अमेरिका को अपने हमले के कारण कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। अब देशों में अमेरिका के सहयोगियों के खिलाफ ईरान के क्षेत्रीय तेल केंद्रों को लगभग ठप कर दिया है। इलाके की बड़ी तेल कंपनियाँ अपने उत्पादन संयंत्र बंद कर रही हैं और तेल की आपूर्ति बहुत कम हो गई है। स्टेट ऑफ होरमुज से नियमित जहाजों की आवाजाही भी रुक गई है और तेल का परिवहन लगभग ठहर गया है।

दुनिया भर के बड़े बाजारों में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। शुक्रवार

■ **अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में ऑयल की कीमत 91 डॉलर प्रति बैरल पार कर रही है तथा अमेरिका में भी, बाजार में मंहगाई व दाम बढ़ रहे हैं। जो अमेरिका की जनता की सोच का मानक माना जाता है और इससे ट्रंप की लोकप्रियता निःसंदेह गिरेगी, और ट्रंप के लिए यह चिन्ता का विषय है।**

■ **साथ ही नाटो देश अब ट्रंप को समर्थन देने के मुद्दे पर बिखरे हुए हैं। ऐसा लग रहा है, ट्रंप अब ईरान की लड़ाई में अकेले खड़े हैं, युद्ध भूमि में।**

को तेल का अंतरराष्ट्रीय मानक मूल्य 91 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जो हमले से पहले के दिनों की तुलना में काफी अधिक है। बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इससे प्रभावित होने की आशंका जता रही हैं और ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स कमज़ोर पड़ते दिख रहे हैं। अमेरिका को भी इसके आर्थिक असर का सामना करना पड़ रहा है। ताज़ा रोजगार आंकड़े बताते हैं कि नौकरियों के सृजन में कमी आई है, जबकि कुछ समय पहले तक इनमें लगातार बढ़ोतरी हो रही थी। कीमतें भी धीरे-धीरे बढ़ रही हैं, जो जनता के मूड को प्रभावित करने वाला संकेत है। अमेरिकी लोग महंगाई से नाजब रहते हैं और इसका असर राष्ट्रपति की लोकप्रियता पर जरूर पड़ेगा, जो वैसे भी लगातार गिर रही है।

दूसरी ओर, यूरोप में भी अमेरिका के नाटो सहयोगियों ने ट्रंप के सामने अलग रुख अपना लिया है। पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर किसी नाटो सदस्य यात्रा का केवल एक पड़व है और अगर अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

से पीछे हट सकते हैं। लेकिन अब स्थिति उलट गई है और ट्रंप को ही अपने सहयोगियों से मदद मांगनी पड़ रही है। हालांकि स्पेन ने साफ मना कर दिया है कि अमेरिका उसके किसी भी सैन्य अड्डे का इस्तेमाल नहीं कर सकता। यू.के. ने केवल सीमित उपयोग की अनुमति दी है। फ्रांस ने राष्ट्रपति से कहा है कि वे ईरान के साथ तुरंत युद्धबंद के लिए बातचीत शुरू करें। वहीं जर्मनी ने अब तक अपना स्पष्ट रुख नहीं बताया है। ऐसा लगता है कि ईरान के साथ इस टकराव में ट्रंप लगभग अकेले खड़े रह गए हैं।

## प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ाया जो इस बार अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षण कठिन हो सकते हैं, लेकिन यह यात्रा का केवल एक पड़व है और अगर अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

कोटा का डॉक्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यूपीएससी ने एक बयान में कहा, "अंक, परिणाम की घोषणा के 15 दिनों के भीतर वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।"

लिखित सीएसई परीक्षा अगस्त 2025 में आयोजित की गई थी, जबकि व्यक्तिगत परीक्षाएं (पर्सनैलिटी टेस्ट) दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच हुआ था।

अनुज के अलावा प्रदेश के दस अन्य अभ्यर्थियों का भी चयन हुआ है। ये हैं, बहरोड़ के तरुण यादव (49 वीं रैंक), बालोतरा के गौरव चोपड़ा (83 वीं रैंक), बूंदी के सौरभ शर्मा (146 वीं रैंक), तिजारा के निशांत यादव (237 वीं रैंक), बालोतरा के जितेंद्र प्रजापति (287 वीं रैंक), पोकरण के प्रवीण दानरत्न (499 वीं रैंक), सीकर के संजय कुमार (502 वीं रैंक), जयपुर के प्रदीप पाठानी (608 वीं रैंक), तिजारा के बादल यादव (665 वीं रैंक), दौसा के आशीष शर्मा (722 वीं रैंक)।

उन्होंने कहा जानवृक्षकर यह

## ईरान ने बहरीन, कतर व यूएई पर हमले तेज किए

तेहरान/तेल अवीव, 06 मार्च। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष ने पश्चिम एशिया के अधिकांश इलाके को अपनी चपेट में ले लिया है। ईरान खाड़ी के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों और उससे संबंधित इलाकों को लगातार निशाना बना रहा है। गुरुवार देर रात बहरीन की राजधानी मनामा में फाईनरियल हाबर्न टावरस को निशाना बनाया गया। वहीं बहरीन, कतर, सऊदी अरब और जॉर्डन

■ **अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले के बाद ईरान ने बदले की कार्यवाही में कई पड़ोसी देशों को निशाना बनाया**

में एयर डिफेंस सिस्टम लगातार उसके हमलों को इंटरसेप्ट कर रहे हैं। मौजूदा हालात के मद्देनजर कई देशों ने सुरक्षा अलर्ट जारी कर लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सेंट्रल अल-खाज गवर्नरट के पूर्व में एक कूज मिसाइल को इंटरसेप्ट कर दिया। बाद में मंत्रालय ने यह भी जानकारी दी कि रियाद क्षेत्र के पूर्व में तीन ड्रोन को भी मार गिराया गया।

उधर कतर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसकी एयर डिफेंस फोर्स ने दोहा स्थित अल उदीद एयर बेस को निशाना बनाकर किए गए एक ड्रोन हमले को विफल कर दिया। यह एयर बेस अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाना माना जाता है। दोहा में सुबह करीब 4 बजे धमाकों की जोरदार आवाजें सुनीं गयीं, जो ईरान से आए ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के दौरान हुई थीं। पिछले पांच दिनों में सैन्य बेस को निशाना बनाकर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं।

राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सुखोई-30 विमान हादसे में दोनों पायलटों स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वश दुरागकर को हत्या की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। देश के लिए उनकी हिम्मत और सेवा को हमेशा गर्व और आभार के साथ याद

## ‘अमेरिका ने दया की, भारत को रुस से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साद अल काबी ने यह भी कहा कि अगर संघर्ष तुरंत समाप्त हो भी जाता है तो कतर को अपनी सामान्य आपूर्ति व्यवस्था को बहाल करने में "हफ्तों से महीनों" तक का समय लागेगा।

भारत में सभी तेल रिफाइनरियों से कहा गया है कि वे "यह सुनिश्चित करें कि उनके पास उपलब्ध प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग रसोई गैस उत्पादन के लिए किया जाए।" सामान्यतः भारत की अधिकांश एलपीजी मध्य पूर्व से ही आती है, जो प्रोपेन और ब्यूटेन का मिश्रण होता है।

भारत ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिफाइनरियों को पहले से समुद्र में मौजूद रूसी माल खरीदने के लिए एक शॉर्ट-टर्म मूव्ट किया। टैजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा, "वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए, टैजरी विभाग भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए अस्थायी तौर पर 30 दिन की छूट दे रहा है।"

"उन्होंने कहा जानवृक्षकर यह

## सुखोई-30 फाइटर जैट क्रैश, दोनों पायलट की मौत

### वायु सेना की टीम को हादसा स्थल तक पहुंचने में चार घंटे का समय लगा

काबी आंगलॉग (असम), 06 मार्च। असम के काबी आंगलॉग जिले के पहाड़ी इलाके में गुरुवार देर शाम को सुखोई-30 एमकेआई फाइटर एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से दोनों पायलटों की मौत हो गई।

दोनों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और को-पायलट लेफ्टिनेंट पूर्वश दुरागकर के रूप में हुई है। लेफ्टिनेंट पूर्वश भारतीय वायु सेना में फ्लाईंग नेविगटर थे। हादसे की आधिकारिक जानकारी आईएफएफ ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए दी है। दुर्घटना स्थल से दोनों वायु सैन्य कर्मियों के शव मिल गए हैं।

भारतीय वायु सेना (आईएफएफ) की एक्स पोस्ट में भारतीय वायु सेना ने

■ **जोरहट से टेकऑफ करने के कुछ देर बाद ही प्लेन काबी आंगलॉग जिले के दुर्गम पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया।**

स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वश दुरागकर के निधन की जानकारी दी गई है। कहा गया है कि दोनों को सुखोई-30 दुर्घटना में घातक चोट आई।

हादसा गुरुवार रात लगभग 7 बजे के आसपास हुआ। विमान से पंचके टूटने के बाद जोरहाट वायुसेना की टीम ने दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर खानबीन

शुरू की। हादसास्थल पर वायु सेना की टीम को पहुंचने में लगभग चार घंटे का समय लगा। हालांकि, हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है।

बताया गया है कि जोरहाट से टेकऑफ करने के कुछ ही देर बाद प्लेन काबी आंगलॉग जिले के दुर्गम पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने तुरंत सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

सूत्रों ने बताया कि एयरक्राफ्ट सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट था, जिसने शाम को जोरहाट से उड़ान भरी थी। क्रैश साइट इनसानी आबादी से दूर एक जंगली और पहाड़ी इलाके में है, जिससे वहां के लोगों के लिए तुरंत पहुंचना मुश्किल था।

## राजनाथ सिंह व राहुल गांधी ने लड़ाकू विमान हादसे के पायलटों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 06 मार्च। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कई नेताओं ने असम के काबी आंगलॉग जिले में हुए लड़ाकू विमान हादसे में वायु सेना के दो पायलटों की शहादत पर दुःख व्यक्त किया।

राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सुखोई-30 विमान हादसे में दोनों पायलटों स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वश दुरागकर को हत्या की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। देश के लिए उनकी हिम्मत और सेवा को हमेशा गर्व और आभार के साथ याद

■ **रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों पायलटों को उनकी हिम्मत और सेवा के लिए हमेशा आभार व गर्व के साथ याद किया जायेगा।**

किया जाएगा। दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

राहुल गांधी ने अपनी शोक संवेदना में कहा कि भारतीय वायुसेना के वीर जवान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और

फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वश का विमान दुर्घटना में शहीद होने का समाचार अत्यंत दुःख और पीड़ादायक है। इन वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ और शोक संतप परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने कहा कि असम में हुई विमान दुर्घटना में दोनों वीर जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुःख है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक-संतप परिवारों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की।

राहुल गांधी ने अपनी शोक संवेदना में कहा कि भारतीय वायुसेना के वीर जवान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और

## ‘अमेरिका ने दया की, भारत को रुस से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कच्चे तेल की शिपमेंट पहले से ही बाजार में मौजूद है, दिल्ली की मौजूदा कीमतों पर भुगतान करना होगा, बजाय इसमें कि वह रुस से पहले की तरह रियायती दरों पर सौदा कर सके।

बेसेंट ने इस छूट को एक अस्थायी उपाय के रूप में वर्णित किया, जबकि वॉशिंगटन भारत को अधिक अमेरिकी कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहा है।

उन्होंने "यह अस्थायी उपाय ईरान द्वारा वैश्विक ऊर्जा को बंधक बनाने के प्रयास के कारण उत्पन्न दबाव को कम करेगा," उन्होंने कहा।

गल्फ क्षेत्र में यूएस-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। होमजुज जलसंधि मार्ग भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कच्चे तेल और एलएनजी दोनों के लिए खाड़ी उत्पादकों पर भारी निर्भर है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत और एलएनजी की जरूरत का 45 से 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत के तेल आयात का लगभग 90 प्रतिशत सामान्यतः होमजुज से गुजरता है, जहां टैंकर ट्रेफिक अब ठप हो चुका है।

चूंकि भारत द्वारा खरीदी जा रही दिया था। इसके बाद जब समाजवादी नेता होजे लुइस रॉड्रिगेज ज़ायदो की सरकार सत्ता में आई तो उसने इराक से स्पेनिश सैनिकों को वापस बुला लिया। तब से स्पेन की सरकारों, चाहे किसी भी राजनीतिक दल की ही, मध्य-पूर्व में अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य अभियानों में शामिल होने को लेकर बेहद सावधान रहती हैं।

यह ऐतिहासिक अनुभव प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज की मौजूदा नीति में भी साफ दिखाई देता है। उनकी सरकार बार-बार कह चुकी है कि इराक जैसी गलतियों को दोहराया नहीं जाना चाहिए। स्पेन के अधिकारियों का कहना है कि मध्य-पूर्व में एकरतएर सैन्य कार्रवाई से अक्सर शांति के बजाय अस्थिरता पैदा हुई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीति और तनाव कम करने पर ध्यान देना चाहिए।

मैड्रिड और वॉशिंगटन के बीच टकराव में आइडियोलॉजी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सांचेज एक सेंट्रल-लेफ्ट सोशलिस्ट सरकार का नेतृत्व करते हैं, जो बहुपक्षीय सहयोग, अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीति पर जोर देती है। इसके विपरीत ट्रंप की विदेश नीति अधिक आक्रामक और एकरतएर रही है। इसलिए ईरान को लेकर यह टकराव केवल रणनीति का मतभेद नहीं, बल्कि दोनों सरकारों की सोच में व्यापक अंतर को भी दिखाता है। तनाव का एक और अंश ईरानी लेजर नाटों के भीतर रक्षा खर्च को लेकर चल रहा पुराना विवाद है। ट्रंप बार-बार

यह भारत के लिए बुरी खबर है क्योंकि तेल अब 2022 के बाद अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि की ओर बढ़ रहा है, व्यापारियों के अनुसार गोल्टेमैन डॉलर से चैतावनी दी है कि कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा सकती हैं, जबकि जेपी मॉर्गन ने कहा है कि कीमत 120 तक पहुंच सकती है।

भारत पहले ही रूसी कच्चे तेल के दो शिपमेंट्स को खरीद चुका है, जो पास के समुद्र में चल रहे थे।

प्रत्येक टैंकर में लगभग 700,000 बैरल तेल है। एक तीसरा रूसी टैंकर भी अपना रास्ता बदल चुका है और माना जाता है कि वह भारतीय बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है।

रॉयटर्स के अनुसार, कुल मिलाकर, लगभग 9.5 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल वर्तमान में भारत के पास स्थित जहाजों पर है।

वैश्विक स्तर पर, समुद्र में फंसे हुए रूसी तेल की मात्रा कहीं अधिक है। व्यापार खुफिया कर्मी केमरन के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में दुनिया भर में लगभग 130 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल टैंकरों पर मौजूद है।

## अमेरिका के खिलाफ असंतोष ...

दिया था। इसके बाद जब समाजवादी नेता होजे लुइस रॉड्रिगेज ज़ायदो की सरकार सत्ता में आई तो उसने इराक से स्पेनिश सैनिकों को वापस बुला लिया। तब से स्पेन की सरकारों, चाहे किसी भी राजनीतिक दल की ही, मध्य-पूर्व में अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य अभियानों में शामिल होने को लेकर बेहद सावधान रहती हैं।

यह ऐतिहासिक अनुभव प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज की मौजूदा नीति में भी साफ दिखाई देता है। उनकी सरकार बार-बार कह चुकी है कि इराक जैसी गलतियों को दोहराया नहीं जाना चाहिए। स्पेन के अधिकारियों का कहना है कि मध्य-पूर्व में एकरतएर सैन्य कार्रवाई से अक्सर शांति के बजाय अस्थिरता पैदा हुई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीति और तनाव कम करने पर ध्यान देना चाहिए।

मैड्रिड और वॉशिंगटन के बीच टकराव में आइडियोलॉजी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सांचेज एक सेंट्रल-लेफ्ट सोशलिस्ट सरकार का नेतृत्व करते हैं, जो बहुपक्षीय सहयोग, अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीति पर जोर देती है। इसके विपरीत ट्रंप की विदेश नीति अधिक आक्रामक और एकरतएर रही है। इसलिए ईरान को लेकर यह टकराव केवल रणनीति का मतभेद नहीं, बल्कि दोनों सरकारों की सोच में व्यापक अंतर को भी दिखाता है। तनाव का एक और अंश ईरानी लेजर नाटों के भीतर रक्षा खर्च को लेकर चल रहा पुराना विवाद है। ट्रंप बार-बार

चीनी खरीदारों से प्रतिस्पर्धा, जो उसी तेल के लिए बोली लगा रहे हैं, भारत के लिए एक और चुनौती प्रस्तुत करता है।

इस बीच, फेरलू ईंधन आपूर्ति की सुरक्षा के लिए, भारत ने तेल रिफाइनरियों से एलपीजी का उत्पादन अधिकृत करने और इसे तीन राख्य-स्वामित्व वाली ईंधन खुदरा कंपनियों: इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को आपूर्ति करने का आदेश दिया है।

अधिकारियों ने यह भी रिफाइनरियों से प्रोपेन और ब्यूटेन के पेट्रोकेमिकल उत्पादन में भेजने से रोकने के लिए कहा है, जिससे उन्हें औद्योगिक उत्पादन के मुकाबले एलपीजी को प्राथमिकता देने के लिए मजबूर किया गया है। तीन कंपनियों को केवल फेरलू ग्राहकों को ईंधन बेचने का निर्देश दिया गया है।

राख्य-स्वामित्व वाली कंपनियों, जिनमें इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलेश्वर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स शामिल हैं, भी व्यापारियों के साथ रूसी माल की त्वरित डिलीवरी प्राप्त करने के लिए बातचीत कर रही हैं। भारतीय राज्य रिफाइनरियों ने अब तक व्यापारियों से लगभग 20 मिलियन बैरल रूसी तेल खरीदा है।

## अमेरिका के खिलाफ असंतोष ...

के पक्ष में है। इसलिए ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान का समर्थन करना सांचेज सरकार के लिए राजनीतिक रूप से जोरिबन भरा हो सकता है।

रणनीतिक गणनाओं ने भी स्पेन की प्रतिक्रिया को प्रभावित किया है। मैड्रिड को डर है कि ईरान के साथ लंबा युद्ध पूरे मध्य-पूर्व को अस्थिर कर सकता है। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर यह विवाद पहले से मौजूद मतभेदों की पृष्ठभूमि में सामने आया है।

स्पेन का रुख यूरोप में बढ़ती उस बहस को भी दर्शाता है, जिसमें "रणनीतिक स्वायत्तता" (स्ट्रैटेजिक ऑटोनोमी) की बात की जा रही है। कई यूरोपीय सरकारों का मानना ​​है कि यूरोपियन यूनियन को यू.एस. मिलिट्री पहलों के साथ स्वतः जुड़ने के बजाय अपनी इंडिपेंडेंट सिक्यूरिटी और फॉरन पॉलिसी डवलप करनी चाहिए। स्पेन उन देशों में से रहा है, जो ग्लोबल डिप्लोमेसी और झगड़े सुलझाने में यूरोप की मजबूत भूमिका को वकालत करते रहे हैं। ईरान के खिलाफ युद्ध से दूरी बनाकर मैड्रिड यह संकेत दे रहा है कि अंतरराष्ट्रीय संकटों में यूरोपीय सहयोगी हमेशा वॉशिंगटन का अनुसरण नहीं करेंगे। फेरलू राजनीति भी इसमें एक अहम कारक है। स्पेन में जनमत विदेशी सैन्य हस्तक्षेपों, खासकर मध्य-पूर्व में, को लेकर काफी संदेहपूर्ण है। मैड्रिड की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में ऐसे राजनीतिक दल भी शामिल हैं जो युद्ध के कड़े विरोधी हैं और अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान कूटनीति से करने

के लिए भी जरूरी मानते हैं। परिणाम यह है कि स्पेन कह रहा है कि अलायंस मेंबरशिप का मतलब यह नहीं है कि वह हर अमेरिकी सैन्य अभियान में अपने-आप शामिल होगा। युद्ध में शामिल होने से इनकार करके स्थिरता, बल्कि यूरोप की अपनी सुरक्षा के लिए भी जरूरी मानते हैं।

जो विवाद शुरुआत में केवल सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल को लेकर था, वह अब एक बड़े सवाल में बदल गया है, गठबंधन की एकजुटता की असली प्रकृति क्या है, अमेरिकी नेतृत्व की सीमाएं क्या हैं, और क्या यूरोप के कुछ देश अब अपनी अधिक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना चाहते हैं।